हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 14 जून 2026

तापमान

अधिकतम 35.0 डिग्री से.
न्यूनतम 26.0 डिग्री से.

10 योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

10 सफीदों की बेटी प्रेरणा ने रचा इतिहास

खबर संक्षेप

कार की चपेट में आने से ऑटो चालक की मौत

कैथल। कैथल के गांव क्योड़क में कार की टक्कर से ऑटो में सवार 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसा शनिवार को सुबह हुआ, जब वह व्यक्ति कैथल से पिहोवा के अरुणाय धाम पर पूजा पाठ के लिए जा रहा था। जैसे ही नेशनल हाइवे 152 पर क्योड़क गांव से थोड़ा आगे पहुंचा, तो पिहोवा की ओर से आ रहे कार चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। कार का ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

सुआं मारकर छात्र को किया घायल

कैथल। पुरानी रंजिश के चलते आईटीआई के छात्र पर बस अड्डा परिसर में हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोप है कि युवकों ने छात्र को पकड़कर बर्फ तोड़ने वाले सुए से कई वार किए। सिविल लाइन पुलिस को दी शिकायत में गांव नरवल के ललित ने बताया कि वह आईटीआई कैथल का छात्र है। 10 जून की शाम करीब साढ़े 5 बजे वह अपने दोस्त अंकित के साथ आईटीआई से बस अड्डा कैथल पहुंचा था। वहां पहले से रंजिश रखने वाले पाई निवासी अंकित, सीली उर्फ रजत कसान, सडील निवासी रोबिन और उनके अन्य साथी मिल गए।

पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों को पीटा

कैथल। पुरानी रंजिश को लेकर कैथल के गांव क्योडक में हुई मारपीट में दो युवक घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। आरोप है कि पहले कार से बाइक को टक्कर मारी गई और उसके बाद गंडासी, रॉड व डंडों से हमला कर घायल कर दिया गया। शिकायत में क्योडक की बीरबल पट्टी निवासी सागर ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर अपनी रील बनाकर सांझा करता है। जुस्सा पट्टी का शेखर उसे काफी समय से इंस्टाग्राम पर जान से मारने की धमकियां दे रहा था।

किशोर पर जानलेवा हमला कर किया घायल

कैथल। पूंडरी के गांव डीग में एक किशोर पर जानलेवा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। उसे पूंडरी के सरकारी अस्पताल, फिर कैथल और बाद में निजी अस्पताल में भर्ती कराया , जहां इलाज चल रहा है। पूंडरी पुलिस ने शिकायत के आधार पर 6 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दी शिकायत में डीग के वोजस्वी ने बताया कि 9 जून की रात अभिषेक ने उसे गांव के जोहड़ पर बुलाकर कहा कि वह उसकी चांदी की चेन वापस ले जाए, जो उसने कुछ महीने पहले किसी कार्यक्रम में जाने के लिए दी थी।

51 ग्राम चरस सहित आरोपी गिरफ्तार

कैथल। एंटी नारकोटिक सैल-टू की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते आरोपी को 51 ग्राम चरस सहित काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की एंटी नारकोटिक-टू प्रभारी पीएसआई शनेष कुमार की टीम अपराध रोकथाम के लिए गश्त पर थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि माडल टाउन कैथल निवासी मनोज डेहा बस्ती कैथल में चरस बेच रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा डेहा बस्ती कैथल में जाकर उक्त आरोपी मनोज की तलाश करनी शुरु की।

पार्लर पर गई युवती नहीं लौटी वापस, मामला दर्ज

कैथल। सीवन थाना क्षेत्र के एक गांव से पार्लर का काम सीखने गई 20 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। सीवन पुलिस पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उसकी बेटी कांगथली में स्थित पार्लर में काम सीख रही है। 11 जून सुबह करीब 10 बजे पार्लर जाने की बात कह घर से निकली थी। सामान्य दिनों में वह शाम करीब 6 बजे तक घर लौट आती थी, लेकिन उस दिन वापस नहीं आई। जब उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया तो फोन बंद मिला।

जींद में छह पर 3018 और कैथल में पांच केंद्रों पर 1841 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने तथा परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद/कैथल

21 जून को नीट री एग्जामिनेशन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में शनिवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इससे पूर्व हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा करते परीक्षा के दौरान पारदर्शिता, गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखने पर बल दिया। कहा कि परीक्षा संचालन निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने बताया कि जिले में नीट री एग्जामिनेशन के लिए छह परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। जहां कुल 3018 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा दोपहर दो बजे आरंभ होगी। अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी तथा दोपहर 1 बजकर 30 मिनट तक जारी रहेगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने की अपील की है ताकि सुरक्षा जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं निर्धारित समय में पूरी की जा सकें। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी अपने एडमिट कार्ड पर दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, बिजली, शौचालय, साफ.-सफाई, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय रहते उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी तथा एनटीए के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए सभी केंद्रों पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जा चुकी है। संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने तथा परीक्षा अवधि के दौरान सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के छह केंद्रों में राजकीय महाविद्यालय में 600, विवि के स्वामी विवेकानंद ब्लॉक में 594, पीआईजी कॉलेज फॉर वूमेन में 576, सीआरएसयू के सीवी रमन ब्लॉक में 528, राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 312 तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 408 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

जींद। समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी डॉ. वैशाली शर्मा। *फोटो :हरिभूमि*

अनुमत दस्तावेज ही साथ लेकर आएं : डीसी

उपायुक्त ने कहा कि अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर केवल एनटीए द्वारा अनुमत दस्तावेज ही साथ लेकर आएं। एडमिट कार्ड में उल्लिखित दिशा-निर्देशों, ड्रेस कोड तथा अन्य नियमों का पालन अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोनए स्मार्ट वॉचए ब्लूटूथ डिवाइस अथवा अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं को परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। बैठक में एसपी कुलदीप सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी अनिल कुमार दून, नगराधीश मोनिका रानी, एमडी शुगर मिल गुलजार मलिक, जिला नोडल अधिकारी (एनटीए) सुरेंद्र तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीसी को परीक्षा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि 21 जून को जिले के पांच परीक्षा केंद्रों पर नीट की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसमें 1841 परीक्षार्थी बैठेंगे। परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते सुनिश्चित किए जाएं। इसके लिए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, बिजली आपूर्ति तथा परीक्षार्थियों की सुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। डीसी अपराजिता शनिवार को आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रही थीं। इससे पहले चंडीगढ़ से उच्च अधिकारियों द्वारा वीसी के माध्यम से परीक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए।डीसी अपराजिता ने बताया कि एडीसी सुशील कुमार को परीक्षा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही 8 ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से तीन रिजर्व में रखे गए हैं। परीक्षा वाले दिन एक हेल्प डेस्क भी स्थापित किया जाएगा, जिसका नंबर 01746-234203 रहेगा। परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होगी। इसलिए विद्यार्थी समय से पहले पहुँचे, ताकि फ्रिस्किंग आदि में कोई दिक्कत न हो। डीसी ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन सुनिश्चित करें।

लगातार दूसरे दिन आंधी और बरसात से जनजीवन प्रभावित

शहर और ग्रामीण क्षेत्र में बिजली के 45 खंभे व 150 से अधिक पेड़ गिरे

बिजली आपूर्ति बहाल करने में निगम कर्मियों का निकला पसीना

लोगों को परेशानियों का करना पड़ा सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

जींद क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन आई आंधी और बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। शुक्रवार रात को तेज हवाओं के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के 45 पोल और लगभग 150 पेड़ गिर गए। इससे कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं वीरवार रात को आए तेज तूफान ने बिजली निगम, वन विभाग को भारी नुकसान पहुंचाया था। तूफान के कारण 2225 पेड़ गिर गए थे। इसके अलावा 337 बिजली के खंबे व 27 ट्रांसफार्मर भी गिर गए। इससे पूरे जिले में ब्लैकआउट जैसी समस्या रही थी। शुक्रवार रात को अचानक मौसम बदल गया और तेज हवा के साथ बारिश हो गई। हालांकि कुछ ही देर बारिश हुई लेकिन तेज हवा चलती रही। जींद में 2.8 एमएम, जुलाना में एक एमएम और उचाना, नरवाना, सफीदों, अलेवा और पिल्लूखेड़ा में बूंदाबांदी ही हुई। शनिवार को अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम 26 डिग्री दर्ज किया गया। आंधी और बारिश का सबसे अधिक असर बिजली व्यवस्था पर पड़ा। शनिवार सुबह भी कई क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी थी। गर्मी के मौसम में लंबे समय तक बिजली नहीं रहने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी हालांकि मौसम सुहावना होने के कारण राहत भी महसूस हुई। सुबह कार्यालय, स्कूल और अन्य कार्यों के लिए निकलने वाले लोगों को टूटे हुए पेड़ों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा।

आज भी आंधी और बारिश की संभावना

शुक्रवार रात को आई तेज आंधी के कारण दनौदा पॉवर हाउस की बिजली बाधित हो गई। इसको लेकर उसके अधीन 10-12 गांव की बिजली सप्लाई सुबह तक भी बहाल नहीं हो पाई थी। गांव पांडू पिंडारा मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि रविवार को भी आंधी और बारिश की संभावना है। कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी या हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। ऐसे में लोगों को पेड़ों या कमजोर ढांचों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

खेत में गिरा पड़ा खंभा

जींद। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन। *फोटो :हरिभूमि*

गांव अलेवा में व्यक्ति के सिर में ईंट मारकर उतारा मौत के घाट

शराब पीते समय हुआ था झगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

गांव अलेवा में शुक्रवार रात को शराब पीने के दौरान हुई कहासुनी में एक व्यक्ति के सिर में ईंट मार कर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने पर अुलवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया। मृतक के भाई ने गांव के ही दो लोगों पर हत्या के आरोप लगाते हुए शिकायत दी है। अलेवा थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अलेवा थाना पुलिस को दी शिकायत में मृतक कुलदीप के भाई मनदीप ने बताया कि उसका 40 वर्षीय भाई कुलदीप शुक्रवार रात को घर नहीं आया। शनिवार सुबह उन्हें सूचना मिली कि उसके भाई का शव गांव के ही शिरड़ी मंदिर के पास पड़ा है। जब उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो उसके भाई के सिर में गहरी चोट लगी हुई थी और आसपास खून बिखरा हुआ था।

मामले की जांच जारी

अलेवा थाना के जांच अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक के भाई मनदीप ने दो लोगों पर उसके भाई की हत्या करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मृतक कुलदीप के भाई मनदीप की शिकायत पर गांव के ही जोगेंद्र व दीपक पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से भी साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के सिर में काफी गहरा घाव था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाकू के बल पर नकदी व अन्य सामान लूट लिया

जींद। उचाना थाना इलाके में बीती रात बाइक सवार अज्ञात युवकों ने अलग-अलग स्थानों पर चार से चाकू के बल पर नकदी समेत अन्य सामान को लूट लिया। लुटेरों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट भी की। सूचना पाकर उचाना थाना पुलिस ने बाइक सवारों की धरपकड़ के लिए अभियान भी चलाया लेकिन उनका कोई सुराग नही लगा। गांव बुढाखेड़ा निवासी संदीप ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह उज्जीवन बैंक में कार्यरत है। बीती रात वह गांव घोघड़िया से बधाना की तरफ जा रहा था। रास्ते में बाइक सवार तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और चाकू के बल पर बाइक की चाबी तथा घड़ी छीन ली। वहीं गांव नगूरां निवासी सुशील से बधाना रोड पर बाइक सवार तीन युवकों ने पांच हजार रुपये की नगदी लूट ली।

उचाना। घसो के जलघर में टैंक दिखाते ग्रामीण। *फोटो :हरिभूमि*

गांव घसो खुर्द और घसो कलां में पेयजल समस्या

उचाना। घसो खुर्द और घसो कलां गांव में पिछले चार दिनों से पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलघर के टैंक लगभग खाली पड़े हैं, वहीं जलघर में लगे सबमर्सिबल की मोटर भी कई दिनों से खराब होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है। भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार दोनों गांवों की पेयजल व्यवस्था सिरसा ब्रांच नहर से आने वाले पानी पर निर्भर है। नहर कई दिनों से बंद होने के कारण जलघर में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि नहर बंद होने से पहले जलघर के टैंकों को पर्याप्त मात्रा में भर लिया जाना चाहिए था, ताकि पानी की आपूर्ति लगातार जारी रह सके। लेकिन समय रहते प्रबंध नहीं होने से अब लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

गांव गुलियाना में पेयजल किल्लत

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

गांव गुलियाना के हरिजन चौपाल में ग्रामीणों ने इकट्ठे होकर पानी की समस्या को लेकर मीटिंग की। अनीता, सोनू देवी,सीमा, विद्या, मंदिरो, दर्शन देवी, भनती,राजो देवी,सुभाष, महावीर, ईश्वर, राकेश, पिंकू, सोनू कुमार आदि ने बताया कि हमारी गरीबो की बस्ती में पिछले एम महीने से वाटर सप्लाई की एक बूंद भी पानी की नहीं आ रही है। संपन्न परिवारों के घरो से पानी लेने जाते हैं तो वह हम गरीबों को पानी भी नहीं भरने देते बोलते हैं कि हमारी मोटर भी खराब हो जाएगी। ज्यादा लोड में बिजली का बिल भी ज्यादा आएगा जिस कारण हम पानी के लिए मारे मारे फिर रहे हैं लेकिन कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा। इस संकट की घड़ी में प्रशासन की और से कोई हमारी सुध लेने भी नहीं आ रहा जिस कारण लोगों में गुस्सा है। उन्होंने कहा है कि अगर जल्दी ही पीने के पानी का उचित प्रबंध प्रशासन नहीं करता है तो आने वाले समय में हमें मजबूरन आंदोलन पर उतरना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी और जवाब देही पंचायत और प्रशासन की होगी।

कैथल। पेयजल किल्लत को लेकर रोष जताते गुलियाना के ग्रामीण।

करंट लगने से झुलसे व्यक्ति ने तोड़ा दम

जींद। नरवाना के हनुमान नगर में बिजली लाइन की चपेट में आने से घायल मिस्त्री की हिसार के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत गई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत मकान मालिक कि खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नरवाना हनुमान नगर निवासी परमजीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता प्रदीप गत सात जून को दीपक के घर चिनाई का कार्य करने गया हुआ था। छत पर काम करते समय उसका पिता प्रदीप ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइन की चपेट में आने से झुलस गया। जिसे नरवाना के नागरिक अस्पताल से हिसार के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां पर बीती रात उसके पिता की उपचार के दौरान मौत हो गई।

रेवाड़ी वाया झज्जर के रास्ते रोहतक होते हुए रात 01. 8 पर जींद जंक्शन पर पहुंचेगी ट्रेन

यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने एक दिवसीय स्पेशल ट्रेन का संचालन किया है। ट्रेन नंबर 09431 साबरमती-जम्मूतवी स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन 14 जून को सुबह 8 . 50 पर साबरमती से रवाना होगी। यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, अजमेर, किशनगंज, जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी वाया झज्जर के रास्ते रोहतक होते रात 1: 8 पर जींद पहुंचेगी। यहां दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन नरवाना एक बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी। यहां भी ट्रेन का ठहराव दो मिनट का रहेगा। इसके बाद ट्रेन जाखल, धुरी, लुधियाना, जालधंर कैंट, पठानकोट होते हुए सुबह 10 बजकर 20 मिनट पर जम्मूतवी पहुंचेगी। यह ट्रेन चलने पर यात्रियों को काफी फायदा होगा। इस समय गर्मी की छुट्टियां चल रही हैं। ऐसे में जींद से होकर गुजरने वाली अवध-आसाम एक्सप्रेस, दिल्ली-बठिंडा सुपरफास्ट, अंडेमान निकोबार एक्सप्रेस, कोटा-श्रीमाता वैष्णो देवी धाम एक्सप्रेस, हिम सागर एक्सप्रेस व पंजाब मेल जैसी ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। ऐसे में रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसका जींद के यात्रियों को भी लाभ मिल रहा है। हालांकि जींद से कटरा वैष्णो देवी धाम के लिए एक बस भी जाती है, जो सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर जींद से रवाना होती है और रात साढ़े सात बजे के बाद कटरा पहुंचती है। अगले दिन सुबह पांच बजे बस वापसी आती है, जो दिल्ली जाती है। ऐसे में वापसी में यात्रियों को दिल्ली से जींद के लिए बस बदलनी पड़ती है। वहीं भारी भरकम सामान के साथ यात्री रेल में ही सफर करना पसंद करते हैं। इससे पहले भी रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 04693-94 दादर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा धाम के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई थी, जो वाया जींद होकर गई थी।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रयासरत

रेलवे स्टेशन अधीक्षक जेएस कुंडू ने बताया कि यात्रियों बेहतर परिवहन सुविधा देने के लिए रेलवे लगातार प्रयासरत है। अभी ग्रीष्मकालीन अवकाश चल रहा है। ऐसे में लंबे रूट वाली ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें से कुछ ट्रेन वाया जींद होकर गुजर रही हैं। इसका फायदा जींद के यात्रियों को भी हो रहा है।

शहर में सड़क हादसों में दो लोगों की मौत, एक गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

शहर में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कैनाल रेस्ट हाउस कालोनी निवासी रामानंद पटियाला चौक से अपने घर जा रहा था। जब वह अपोलो रोड पर पहुंचा तो पीछे से तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें रामानंद गंभीर रूप से घायल हो गया। जिस उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां से रामानंद को पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शहर थाना पुलिस ने मृतक के बेटे गगनदीप की शिकायत पर बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं गांव किनाना निवासी अनिल तथा अभिषेक बाइक पर सवार होकर कार्यवश शहर में जा रहे थे। जब वे रानी तालाब पर पहुंचे तो परिवहन समिति बस ने उनकी बाइक को साइड मारी दी। जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर चालक बस समेत मौके से फरार हो गया।

खबर संक्षेप

विवि प्रशासन ने छात्रों के हित में दिया स्पेशल चांस

जींद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही विद्यार्थियों की मांग को स्वीकार करते सीआरएस विवि प्रशासन ने यूजी पांचवें एवं सातवें सेमेस्टर तथा पीजी तीसरे सेमेस्टर के विद्यार्थियों को स्पेशल चांस प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय के तहत ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश अपने संबंधित सेमेस्टर के पेपर पास नहीं कर पाए थे अथवा उनकी डिग्री अधूरी रह गई थी, अब एक विशेष अवसर के माध्यम से अपनी परीक्षा देकर अपने शैक्षणिक भविष्य को सुरक्षित कर सकेंगे।

सामाजिक मुद्दों को लेकर खापों ने किया मंथन

जींद। समाजिक मुद्दों को लेकर सर्वजातीय खाप पंचायतों व सभी समाजिक संगठनों प्रबुद्ध व्यक्तियों युवाओं महिलाओं के प्रतिनिधियों ने तीन दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित किया गया। इस चिंतन शिविर में लव मैरिज लीव इन समलैंगिक नशा मुक्ति जातियों की एकता जैसे विषयों पर चिन्तन किया गया समुन्द्र सिंह फोर प्रवक्ता माजरा खाप पंचायत जो चिन्तन शिविर कमेटी के सदस्य हैं ने बताया कि इस चिंतन शिविर में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान से 225 से ज्यादा खापों ने भाग लिया।

इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बने अशोक गोयल

जींद। इनेलो हाई कमान ने जींद वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। जिसमें शमशेर सिंह ढांडा, सतबीर गौतम, अशोक गोयल उर्फ लीलू को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, शीला चहल को महिला प्रदेश महासचिव, विक्की अलेवा जिला युवा उपाध्यक्ष, अनिल लाठर मांडो को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। जिला प्रधान विजेंन्द्र रेढू ने अपनी व समस्त कार्यकारिणी की ओर से सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को बधाई दी। वहीं उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा का आभार प्रकट किया।

खाते अलग करवाने को लेकर धक्के खा रहा आवेदक

जींद। जमीन के खाते अलग-अलग करवाने की मांग को लेकर एक पीड़ित दो महीने से चक्कर काट रहा है। पीड़ित का कहना है कि अधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इसके बाद उसने डिप्टी स्पीकर डा कृष्ण मिढ़ा के नाम शिकायत देकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। गांव भंभेवा हाल आबाद अर्बन एस्टेट निवासी सुरेंद्र सिंह ने कहा कि उसके गांव भंभेवा में दादा जयलाल के नाम 63 कनाल 18 मरले जमीन है। जिसका आज तक बंटवारा नहीं हुआ है। खेवट में जमीन का खाता अलग-अलग करवाने के लिए एक पटवारी ने उससे दो हजार लिए लेकिन उसका काम नहीं हुआ।

पेंशनर्स की मांगों को पूरा करे सरकार

जींद। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन धर्मबीर राठी उपाध्यक्ष ने किया। कहा कि एसो मांगों को लेकर आंदोलनरत है। मांग की कि पुरानी पेंशन नीति लागू की जाए। पुलिस कर्मचारियों को यात्रा भत्ता पुराने नियमों अनुसार दिया जाए। क्योंकि पुलिस कर्मचारियों को मुख्यालय से बाहर ज्यादा दिनों के लिए प्रतिमाह बाहर जाना होता है।

कबीर दास जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी

जींद। जींद-अशरफगढ़ रोड पर निर्माणाधीन संत कबीर छात्रावास में संत शिरोमणि कबीरदास की 629वीं जयंती को कई समाजों द्वारा भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जयंती की तैयारियां को लेकर प्रधान सतबीर सिंह लाडवाल ने कहा जयंती मुख्यअतिथि को लेकर वे संस्था की कार्यकारिणी के सदस्यों को साथ लेकर सीएम नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा से कई बार मिले पर समय नहीं मिला। संस्था की भलाई के लिए डिप्टी स्पीकर से संस्था के लोग पांच बार मिले लेकिन समय नही मिल पाया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध मुख्यअतिथि होंगे।

नागरिक अस्पताल में 12 करोड़ खर्च के बाद भी नहीं बेहतर सुविधाएं

करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं रुक रहा छत से टपकता पानी

बरसात में दाखिल मरीजों को टपके का डर

ओपीडी स्लिप काउंटर की दीवारों में पानी रिसाव से करंट तक आ गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में 12 करोड़ रुपये से रेनोवेशन कार्य चला हुआ है। बावजूद इसके अस्पताल की सुविधाओं में कोई सुधार नहीं हो पाया है। खासकर छत से टपकता पानी अब भी मरीजों और उनके परिजनों के लिए मुसीबत बना हुआ है। शुक्रवार रात हुई तेज बारिश में अस्पताल की छतों से पानी बहता रहा। जिससे दाखिल मरीजों में दहशत का माहौल बन गया। लोगों का कहना है कि अगर 12 करोड़ रुपये ही लगाने थे तो यहां नई बिल्डिंग बना दी जाती। कम से कम उसमें टपके की समस्या तो नही रहती।

नागरिक अस्पताल में पिछले सात माह से करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सुधार कार्य कराए जा रहे हैं लेकिन बारिश के मौसम में पुरानी समस्या फिर से उभर आती है। हर बारिश रेनोवेशन कार्य की पोल को खोल देती है। शुक्रवार को हुई बारिश से अस्पताल में जगह-जगह पानी का रिसाव हो गया। अस्पताल में दाखिल मरीजों का कहना है कि बरसात के समय भर्ती होने वाले मरीजों को छत से टपकते पानी का डर सताता रहता है। कई वार्डों की छतें इतनी जर्जर हैं कि पानी की बूंदें सीधे नीचे गिरती हैं। पिछले दिनों हुई बारिश के दौरान इमरजेंसी वार्ड के सामने लाइटों से पानी निकला। ओपीडी स्लिप काउंटर की दीवारों में पानी रिसाव से करंट तक आ गया था। नागरिक अस्पताल का 12 करोड़ रुपये से जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। जब से अस्पताल के जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ है तभी से इस पर सवालिया निशान उठाए जा रहे हैं। इसकी विजिलेंस जांच भी हो चुकी है। एडवोकेट सुनील कुमार ने विजिलेंस को दी अपनी शिकायत में कहा था कि जब बिल्डिंग पूरी तरह से कंडम है तो फिर इस पर जो पैसे लगाए जा रहे हैं वह व्यर्थ हैं। नागरिक अस्पताल के रेनोवेशन कार्य अक्टूबर माह में शुरू हुआ था। काम जल्द से जल्द पूरा करने को लेकर विभाग को कई बार समय सीमा दी गई थी। 17 अक्टूबर 2025 को स्वास्थ्य विभाग द्वारा समीक्षा के बाद कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद 10 नवंबर 2025 और 30 नवंबर 2025 तक काम पूरा करने की अंतिम तिथि तय की गई थी लेकिन आज भी अधिकांश महत्वपूर्ण कार्य अधूरे पड़े हैं।

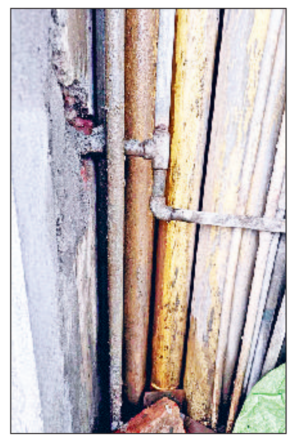

पीडब्ल्यूडी बीएंडआर एक्सईएन को पत्र लिखा

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि रेनोवेशन कार्य जल्द से जल्द पूरा किए जाने को लेकर प्रधान चिकित्सा अधिकारी कार्यालय की तरफ से पीडब्ल्यूडी बीएंडआर एक्सईएन को पत्र लिखा गया है। उम्मीद है जल्द यह रेनोवेशन कार्य पूरा होगा। इसके अलावा जो भी समस्याएं बारिश के दौरान सामने आ रही हैं, उन्हें ठीक करवाया जा रहा है।

50 साल पुरानी बिल्डिंग को दे रहे आधुनिक रूप

नागरिक अस्पताल में 12 करोड़ की लागत से जीर्णोद्धार हो रहा है। इसका उद्देश्य50 साल पुरानी जर्जर बिल्डिंग को आधुनिक रूप देना है। जिसमें सभी वार्डों में आधुनिक सुविधाएं, पैच वर्क, इंटीरियर और एक्सटीरियर सुधार शामिल है। काम इतना धीमे चल रहा है कि छह माह होने को हैं, पूरा नही हो पाया है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा संचालित यह प्रोजेक्ट ततय समयावधि से पार जा चुका है।

'मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं'

जींद। जयंती देवी मंदिर में युवा विकास समिति द्वारा स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि डेयरी एसोसिएशन प्रधान रमेश ढिल्लों और नप वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि हरीश कौशिक, नर्सिंग ऑफिसर मनीषा बरसाना ने शिरकत की। समिति महासचिव विनोद शर्मा व संयोजक प्रवीण सैनी ने बताया कि वशिष्ठ अतिथि के तौर पर राष्ट्रीय कवि ओमप्रकाश चौहान, मुकेश राठौर, युद्धवीर नंबरदार, जयदेव, मनीषा बरसाना, धर्मराज जागलान, सतेंद्र आदि ने शिरकत की। कैंप में 41 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। मुख्य अतिथि डेयरी एसोसिएशन प्रधान रमेश ढिल्लों और नप वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि हरीश कौशिक ने कहा कि रक्तदान महादान है, जिससे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। युवाओं का रक्तदान के प्रति उत्साह समाज के लिए प्रेरणादायक है। नर्सिंग ऑफिसर मनीषा बरसाना ने कहा कि रक्त की कमी के कारण कई बार मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इस तरह के शिविर अत्यंत आवश्यक हैं। रक्तदान से न केवल दूसरों की जान बचती है बल्कि यह स्वयं रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी होता है। रक्तदान एक महान दान है, मानव रक्त का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा युवा रक्तदान करके किसी अनजान व्यक्ति की जान बचाकर पुण्य के भागीदार बनें। रक्तदान करने से शरीर पर भी कोई दुष्प्रभाव प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि रक्तदान करने वाला व्यक्ति कई तरह की बीमारियों से भी दूर रहता है।

जींद। फायरलेस कुकिंग करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

स्वादिष्ट व्यंजन बनाने की कला सीखी

जींद। मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर के अंतिम दिन विद्यार्थियों के लिए फायरलेस कुकिंग बिना आग के भोजन बनाने की विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया। इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों में आत्मनिर्भरता, रचनात्मकता, स्वच्छता, पोषण संबंधी जागरूकता तथा व्यावहारिक जीवन कौशल का विकास करना था। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और रुचि के साथ इस गतिविधि में भाग लिया तथा विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तैयार किए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन में हुआ। शिक्षकों ने बच्चों को फायरलेस कुकिंग के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि बिना आग का उपयोग किए भी कई प्रकार के स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं।

अग्रवाल वैश्य समाज की चौथी निःशुल्क अरुणाय धाम बस यात्रा रवाना

नरवान। अग्रवाल वैश्य समाज शाखा नरवाना के तत्वाधान में नरवाना शहर के प्रमुख समाजसेवी राजेश सिंगला प्रोपर्टी एडवाईजर द्वारा हुड्डा मार्केट से चौथी निःशुल्क अरुणाय धाम बस यात्रा रवाना की गई। संस्था प्रधान अर्जुन गोयल ने बताया कि राजेश सिंगला समाज के गणमान्य व धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति हैं। उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता लाला किशोरी लाल सिंगला की स्मृति में इस बस यात्रा की शुरूआत की है। उनकी धार्मिक सोच है कि कुछ भक्तजन बाबा भोलेनाथ के दरबार अरुणाय धाम नहीं पहुंच पाते इसलिए उन्होंने हुड्डा मार्केट नरवाना से निशुल्क बस अरुणाय धाम के लिए चलाई। प्रैस प्रवक्ता दीपक सिंगला ने बताया कि स्वर्गीय किशोरी लाल सिंगला की सुपुत्री रितु गोयल द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

सफीदों के न्यायिक परिसर में किया पौधरोपण

जींद। उपमंडल सफीदों के अतिरिक्त सिविल जज एवं एसडीएलएससी के चेयरपर्सन अमनदीप तथा न्यायिक मैजिस्टेट प्रथम श्रेणी अनिशा रानी ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण संतुलन की समस्या गंभीर होती जा रही है। पेड़, पौधे न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैंए बल्कि गर्मी को कम करनेए वर्षा चक्र को संतुलित रखने तथा जीव व जंतुओं के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दोनों संयुक्त रूप से सफीदों के न्यायिक परिसर में छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उपमंडल के वन अधिकारी राहुल कुमार रंगा, नीरज शर्मा, गुरजंट सिंह, हरिश वशिष्ठ, संदीप कौशिक, विक्रमजीत, देवेंद्र सिंह तथा सुनील गौतम उपस्थित रहे।

जींद। पौधरोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

कैंप में भाग लेते सरकारी विभागों से कर्मचारी गण व आम नागरिक।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

नरवाना। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 11 जून से 13 जून तक नरवाना लघु सचिवालय में आयोजित तीन दिवसीय इंटरनेशनल योग दिवस प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम में सभी योग सहायकों, आयुष विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शिक्षा विभाग के बीईओ तथा विभिन्न विद्यालयों के अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. वजीर सिंह, पतंजलि के प्रवक्ता, रहे। उन्होंने अपने संबोधन में योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताते कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास संभव है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

मार्केट कमेटी कार्यालय में प्रबुद्ध लोगों की बैठक

जुलाना। जुलाना कस्बे के मार्केट कमेटी कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों की एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मार्केट कमेटी के चेयरमैन मीनू शर्मा ने की। लोगों को संबोधित करते चेयरमैन मीनू शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश ने विकास के नए आयाम छुए हैं। देश चंद्रयान 3 की सफलता के साथ भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बना। 2014 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत अगस्त 2025 तक 58 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इसने देश के सबसे गरीब नागरिक को बैंकिंग सिस्टम से जोडने का काम किया। इसका सबसे बड़ा फायदा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के रूप में मिला।

मार्केट कमेटी कार्यालय में गणमान्य लोगों की बैठक लेते चेयरमेन।

जींद। पौधरोपण करते सीजेएम। फोटो :हरिभूमि

मुक्तिधाम कल्याण सभा ने किया पौधरोपण

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा के मार्गदर्शन में शनिवार को भिंदवाला मुक्तिधाम कल्याण सभा सेक्टर सात जींद में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि हम सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में यह नियम बनाना चाहिए कि जब भी हमारे परिवार में किसी बच्चे या बड़े का जन्मदिन, शादी की सालगिरह अथवा कोई अन्य खुशी का अवसर हो, तब हम कम से कम पांच वृक्ष.पौधे ऐसी जगह लगाएं, जहां उन्हें किसी प्रकार का नुकसान न हो तथा पानी एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों।

जींद। शिविर में योग करते साधक। फोटो :हरिभूमि

'योग सकारात्मक जीवन जीने की संपूर्ण जीवनशैली'

जींद। सफीदों नगर पालिका के मनोनित पार्षद हरीश शर्मा ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम पद्धति नही बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की संपूर्ण जीवनशैली है। नियमित रूप से योग करने से व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहता है। योग की डोज हर रोज उद्देश्य से आमजन को प्रतिदिन योग अपनाने के लिए आयुष विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रेरित किया जा रहा है। सफीदों नपा के मनोनित पार्षद हरीश शर्मा बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे। इस शिविर में 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत आयुष विभाग के योग सहायकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर आयुष विभाग की आयुर्वेदिक अधिकारी व कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डा. इशिता चुघ, होम्योपैथिक अधिकारी डा. संदीप कुमार तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि व अन्य सामाजिक संस्थाएं तथा आमजन शामिल हुए।

सफीदों की बेटी प्रेरणा ने रचा इतिहास

- मोशन सिकनेस से राहत के लिए बनाई पेटेंटेड मेडिकेटेड च्युइंगम

सफीदों। छोटे शहरों की बेटियां अब केवल सपने नहीं देख रहीं बल्कि उन्हें साकार कर देश व दुनिया में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसा ही एक गौरवपूर्ण उदाहरण पेश किया है सफीदों की होनहार बेटी एवं मदवि रोहतक के फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की पूर्व शोधार्थी डा. प्रेरणा कौशिक ने। डा. प्रेरणा ने अपने शोध सहयोगियों विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कौशिक और एसोसिएट प्रो. डा. विनीत मित्तल के साथ मिल कर मोशन सिकनेस से बचाव के लिए एक विशेष मेडिकेटेड च्युइंग गम विकसित की है, जिसे भारतीय पेटेंट कार्यालय द्वारा पेटेंट प्रदान किया है। यह उपलब्धि न केवल सफीदों बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है। जैसे ही यह खबर शहर में पहुंची तो लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रेरणा के निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया और हर कोई इस उपलब्धि को क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बता रहा है। डा. प्रेरणा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अपने माता-पिता के मार्गदर्शन, शोध सहयोगियों और विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शोध वातावरण को दिया है। कहा कि यह टीम वर्क का परिणाम है और विवि द्वारा मिले सहयोग ने इस शोध को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। प्रेरणा कौशिक ने बताया कि मोशन सिकनेस यानी यात्रा के दौरान होने वाली उल्टी, जी मिचलाना और चक्कर जैसी समस्याएं आम हैं, जो लाखों लोगों को प्रभावित करती हैं। बस, ट्रेन या कार में सफर करते समय कई लोग इस परेशानी से जूझते हैं, जिससे उनका सफर बेहद असहज हो जाता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए यह एक समाधान विकसित किया है। जो न केवल प्रभावी है बल्कि उपयोग में भी बेहद आसान है।

नरवाना। रिबन काट कर स्वागत करते मंदिर महंत भूमानद। फोटो :हरिभूमि

नरवाना में पहुंचा चलता-फिरता अस्पताल वैन कारवां

नरवाना। सेवा व समर्पण भावना से शुरू हुई जन सेवा की पहल का कारवां कैथल विधानसभा के साथ-साथ नरवाना क्षेत्र में भी लगातार जारी है। गांव कलौदा कलां से शुरू मानव सेवा का इस अभियान के तहत नरवाना विधानसभा में दो दर्जन से ज्यादा गांव व नरवाना शहर के इलाकों में शिविर आयोजित कर चुका है। विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर सेवा व समर्पण के तहत शुरू की गई आदित्य निशुल्क मोबाइल अस्पताल वैन गरीब व जरूरतमंदों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। नरवाना शहर के वार्ड 22, 23, सैनी मोहल्ला में पहुंचा इस चलते-फिरते अस्पताल में ग्रामवासियों को पूरी तरह निःशुल्क चिकित्सा जांच और दवाइयां वितरित की गईं। बसंती माता मंदिर के परिसर में आयोजित आज इस ऐतिहासिक कैंप का शुभारंभ मंदिर महंत बाबा भूमानंद भारती द्वारा रिबन काटकर किया गया। नरवाना क्षेत्र में इस निशुल्क आदित्य सुरजेवाला मोबाइल अस्पताल वैन सेवा के संचालन व्यवस्था को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बृजेंद्र सिंह सुरजेवाला जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं।

राजकीय महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। शिविर में योग करते साधक। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में संत शिरोमणि श्री सैन भगत राजकीय महाविद्यालय में उच्चतर शिक्षा विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के निर्देशन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। प्राचार्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है तथा वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सीआरएसयू जींद के योग विज्ञान विभाग से डा. वीरेन्द्र ने मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने प्राष्ट्रीय शिक्षा नीति में योग शिक्षा की भूमिका, योगासन खेल अवसर एवं चुनौतियां तथा गैर संचारी रोगों में योग अभ्यास के वैज्ञानिक एवं प्रमाण आधारित लाभ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है बल्कि समग्र व्यक्तित्व विकास एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. भगवान दास ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि महाविद्यालय भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन करता रहेगा। इस मौके पर महाविद्यालय के बहुत से शिक्षक गण और विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

जींद। नागरिक अस्पताल के सामने धरना देते हुए। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार को लेकर दिया धरना

जींद। रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक फरीदाबाद निवासी प्रदेश में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मुहिम को लेकर साइकिल यात्रा पर निकले हैं। एक जून से फरीदाबाद से शुरू की साइकिल यात्रा में वह नूहं, गुरुग्राम, रेवाड़ी, चरखी दादरी, सोनीपत व रोहतक जैसे जिलों से होते हुए 13वें दिन शनिवार को जींद पहुंचे। सुबह साढ़े दस बजे जींद पहुंचने के बाद वे दो घंटा नागरिक अस्पताल के सामने रुके। यहां दो घंटा आराम के बाद वे हांसी के लिए निकल गए। सतीश चोपड़ा का कहना था कि वे पंचकूला पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग को लेकर वे स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से मिलेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी से भी मुलाकात करेंगे। इस साइकिल यात्रा में उनके साथ सुनील कुमार भी साथ रहे। सतीश चोपड़ा कहना है कि इससे पहले भी उन्होंने 2024 में 294 दिन का धरना नागरिक अस्पताल फरीदाबाद के आगे भी दिया था। तब सरकार ने घोषणाएं की थी कि सभी अस्पतालों को अपग्रेड किया जाएगा। ट्रोमासेंटर बनाए जाएंगे व डाक्टरों के पद बढ़ाए जाएंगे। नई बिल्डिंग बनेगी और मरीजों के लिए बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी।

खबर संक्षेप

ईसीआई की टीम ने दिया अधिकारियों को प्रशिक्षण

कैथल। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की टीम द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अपराजिता की उपस्थिति में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों तथा सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारियों को पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रक्रिया, निर्धारित दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता, शुद्धता और दक्षता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण में बीएलओ ऐप की कार्यप्रणाली और उसके विभिन्न फीचर्स पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान सभी इआरओ, तथा एइआरओ को उनके आधिकारिक लॉगिन के माध्यम से किए जाने वाले कार्यों की भी जानकारी दी गई।

सवा दो करोड़ बजट का बेहतर ढंग से उपयोग न करने के आरोप

परशुराम सामुदायिक भवन में पहली ही बरसात में बिखरी फाल्स सिलिंग

- पार्षदों और समाजसेवी संगठनों ने जिला उपायुक्त से की नगर पालिका विकास कार्यों की सिरे से जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत में अनुमानित सवा दो करोड़ के बजट से भगवान परशुराम सामुदायिक भवन के अधूरे निर्माण को पूरा करने के लिए जारी कार्य पर लगातार विवाद खड़ा हो रहा है। इसके तहत पार्षद, समाज सेवी संगठन व आम लोग वार्ड 12 से में जारी इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता को कमजोर करार दे रहे हैं। परिणामस्वरूप नगर पालिका प्रशासन से कार्यवाही की मांग की जा रही है।

ताजा घटनाक्रम में वार्ड कमेटी चेयरमैन अमित वाल्मीकि, वार्ड 13 पार्षद रवींद्र निर्मल बंटी, प्रदीप राणा व विभिन्न वार्डों के जन प्रतिनिधियों ने निर्माण स्थल का दौरा किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान भवन के अंदर जगह-जगह से धंसे पुराने फर्श पर बगैर मजबूती के टायल लगाने का कार्य किया जा रहा था।

इस कार्य की हालत इतनी खराब थी कि दुरमट तो दूर की बात केवल हथोड़ी से ही खोखला फर्श धंस रहा था। इसी तरह सीवरेज लाइन भी बिना बैड के कच्ची मिट्टी पर दबी मिली। जबकि रसोई के निर्माण कार्य में वर्षों से खुले पड़े कमजोर पीलरों व बीम का इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे में निर्माण कार्य की लंबी मियाद की उम्मीद बेमानी है। जन प्रतिनिधियों ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता व पारदर्शिता कायम रखने के लिए स्पेशल निगरानी टीम गठित करने की मांग की है। दीगर है कि यह निर्माण कार्य सीएम नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सीएम मनोहर लाल का ड्रिम प्रोजेक्ट में शामिल है। वर्ष 2016 में तत्कालीन सीएम मनोहर लाल ने शहर के लोगों को इस सामुदायिक भवन की सौगात दी थी। वर्तमान में सीएम नायब सिंह सैनी ने इस निर्माण को पूरा करने के लिए करीब सवा दो करोड़ का बजट जारी करते हुए पुनः निर्माण कार्य शुरू करवाया है।

कलायत। वार्ड 12 में भगवान परशुराम सामुदायिक भवन का मुआयना करते पार्षद।

उखड़ रही छत की फाल सिलिंग

पार्षद प्रदीप राणा व रवींद्र निर्मल बंटी ने कहा कि सामुदायिक भवन की छत को नए सिरे से पक्का करने की मांग उन्होंने पहले ही की थी। नगर पालिका अधिकारियों ने छत को पक्का करने की बजाए फाल सिलिंग लगा दी। रात्रि को आई बरसात में भवन की दीवारों व छत से हुए पानी के रिसाव एवं हवा में फाल सिलिंग कागज की तरह उखड़ नीचे लटक गई।

गंभीरता से ली जा रही शिकायतें और सुझाव

नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता अब्दुल वाहब खान ने बताया कि निर्माण को लेकर मिल रहे सुझाव व शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके मद्देनजर निरंतर मौका मुआयना जारी है। इसके तहत जो खामियां सामने आ रही हैं उन्हें दूर करवाया जा रहा है। निर्माण में मजबूती व पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

कैथल। जरूरतमंदों को राशन वितरित करते सिराय की परिवार के सदस्य।

किसी भी जरूरतमंद की नहीं जाएगी थाली खाली

- नि:शुल्क रात्रि भोजन सेवा, आज भी जरूरतमंदों तक लगातार पहुंचा रही सहायता
- मानव सेवा को समर्पित है सिरायकी परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

समाज में ऐसे अनेक लोग हैं जो बढ़ती उम्र, आर्थिक तंगी, शारीरिक असमर्थता अथवा पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अपने लिए दो समय के भोजन की व्यवस्था करने में भी असमर्थ हैं। ऐसे लोगों के जीवन में सहारा बनने का कार्य कर रही है सिरायकी परिवार संस्था, जिसने वर्षों पहले एक संकल्प लिया था कि शहर में कोई भी जरूरतमंद, अकेला या बेसहारा व्यक्ति भूखा न सोए। इसी उद्देश्य के साथ संस्था निरंतर समाज सेवा के कार्यों में जुटी हुई है और आज जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित कर अपने सेवा अभियान को आगे बढ़ाया। संस्था का सबसे महत्वपूर्ण और निरंतर चलने वाला प्रकल्प निःशुल्क भोजन सेवा है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाया जाता है। संस्था के प्रधान महेश धमीजा ने बताया कि कई वर्ष पूर्व जब कुछ सामाजिक कार्यकर्ता दिल्ली में संचालित हो रही ऐसी सेवाओं से जुड़े, जहां असहाय और बेसहारा लोगों को नियमित रूप से भोजन उपलब्ध करवाया जाता था।

फायरिंग व रनिंग में दमदार प्रदर्शन

- आदर्श स्कूल जाखौली के एनसीसी कैडेटों ने बटोरी वाहवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली के एनसीसी कैडेट इन दिनों आयोजित दस दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। शिविर के दौरान कैडेटों को फायरिंग, रनिंग, परेड, ड्रिल, योग, मैप रीडिंग, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विद्यालय के कैडेट विशेष रूप से फायरिंग और रनिंग गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में कैडेट हथियारों के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ निशानेबाजी की बारीकियां सीख रहे हैं। वहीं शारीरिक प्रशिक्षण और दौड़ प्रतियोगिताओं में भी वे पूरे उत्साह, अनुशासन और जोश के साथ भाग लेकर अपनी क्षमता का परिचय दे रहे हैं।एनसीसी प्रभारी करम सर के नेतृत्व में कैडेट शिविर की विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रहे हैं। कैंप में कैडेटों के लिए रहने, खाने, चिकित्सा सुविधा, स्वच्छ पेयजल और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें प्रशिक्षण का पूरा लाभ मिल रहा है।

राजौंद। एनसीसी प्रशिक्षण शिविर में फायरिंग और रनिंग गतिविधियों में भाग लेते आदर्श स्कूल के कैडेट। *फोटो :हरिभूमि*

पूंडरी में गूंजेंगे बम-बम भोले के जयकारे

16 को रवाना होगा अमरनाथ यात्रियों का जत्था : गगनदीप

पूंडरी। श्री अमरनाथ जी सेवा मंडल पूंडरी शाखा के तत्वावधान में श्री अमरनाथ यात्रा का विशाल काफिला 16 जून मंगलवार को निर्मल फैमिली रेस्टोरेंट एंड पार्टी हॉल से बाबा बर्फानी के दर्शनों हेतु रवाना होगा। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन-अर्चना एवं हवन यज्ञ करने के उपरांत ही इस पावन जत्थे को 16 जून सायं 3:30-4:00 बजे के लगभग रवाना किया जाएगा। यात्रा से पूर्व विशाल भंडारे का आयोजन कर हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री योगी सोमवारनाथ जी स्वामी एवं श्री ब्लेशवर नंद सरस्वती जी महाराज हवन यज्ञ में आहुति डालकर जत्थे को आशीर्वाद प्रदान करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध समाजसेवी, उद्योगपति एवं दानवीर जसवंत सिंह, मार्केट कमेटी चेयरमैन पूंडरी सुभाष हजवाना तथा प्रसिद्ध हलवाई बबला सैनी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।संस्था के संयोजक गगनदीप गर्ग ने बताया कि /"नर सेवा - नारायण सेवा/" के संकल्प के साथ यह सोलहवां वर्ष है। बाबा की कृपा से इस वर्ष भी यात्रियों हेतु भंडारा, चिकित्सा एवं विश्राम की व्यवस्था कि गयी है।

टीबी उन्मूलन अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया

- 80 मरीजों की जांच,10 संदिग्धों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

सिविल सर्जन डॉ. रेनू चावला के निर्देशानुसार तथा डॉ. संदीप सिंह की अध्यक्षता में गांव फरियाबाद में सौ दिवसीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लगभग 80 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें से 10 मरीजों में टीबी के संदिग्ध लक्षण पाए जाने पर उनके बलगम के सैंपल लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजे गए। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी मोइन खान ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को 15 दिन से अधिक खांसी, लगातार बुखार, भूख कम लगना, वजन घटना या रात को पसीना आने जैसे लक्षण हों तो यह टीबी के संकेत हो सकते हैं। ऐसे मरीजों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जांच करवानी चाहिए।उन्होंने बताया कि टीबी का इलाज सरकार द्वारा बिल्कुल मुफ्त किया जाता है। साथ ही मरीज को पौष्टिक आहार के लिए प्रति माह 1000 रुपये, कुल 6 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा मरीज को गांव में ही नियमित दवा उपलब्ध करवाई जाती है, जिससे वह पूर्ण रूप से ठीक हो सकता है।इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत जागरूक किया। इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता पंकज, आशा वर्कर सुदेश सहित गांव के अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजौंद। फरियाबाद गांव में आयोजित टीबी को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी।

ज्वाइंट डायरेक्टर ने किया रावमावि सोंगल का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

संयुक्त निदेशक महोदया हरप्रीत कौर जॉइंट डायरेक्टर द्वारा राजौंद खंड के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सोंगल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया गया। उन्होंने विद्यालय भवन, कक्षाओं, स्मार्ट एलईडी, विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, स्वच्छता व्यवस्था,पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके साथ ही मिड-डे मील योजना के अंतर्गत खाद्यान्न भंडारण,रसोईघर की व्यवस्था,सामग्री के रखरखाव तथा आपूर्ति से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान मिड-डे मील सामग्री की उपलब्धता, गुणवत्ता एवं आपूर्ति में आने वाली संभावित समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की।संयुक्त निदेशक महोदया ने विद्यालय स्टाफ के साथ बैठक कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं के रखरखाव, विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विचार-विमर्श किया। उन्होंने विद्यालय के समग्र विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

राजौंद। सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची ज्वाइंट डायरेक्टर का स्वागत करते हुए।

पुस्तकालय का नाम बदलना बाबा साहब का अपमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

बहुजन समाज पार्टी हरियाणा के प्रदेश महासचिव डॉ. मनोज ग्रोवर ने हरियाणा सरकार द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से संचालित पुस्तकालयों का नाम बदलकर 'अटल पुस्तकालय' किए जाने के निर्णय की कड़े शब्दों में निंदा की है।

डॉ. ग्रोवर ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. अंबेडकर संविधान निर्माता एवं करोड़ों वंचितों-शोषितों के मसीहा हैं। उनके नाम पर चल रहे पुस्तकालयों का नाम बदलना न केवल बाबा साहब का अपमान है बल्कि उनकी विचारधारा को मिटाने का प्रयास है। उन्होंने कहा, /"अटल बिहारी वाजपेयी जी हमारे लिए भी सम्माननीय हैं। सरकार चाहे तो उनके नाम से नए पुस्तकालय, संस्थान खोले, बसपा इसका स्वागत करेगी। लेकिन बाबा साहब के नाम को हटाकर दूसरे महापुरुष का नाम देना सामाजिक न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। यह प्रदेश के दलित, पिछड़े एवं अंबेडकरवादी समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है।/" सरकार तत्काल इस निर्णय को वापस ले और डॉ. अंबेडकर पुस्तकालयों के नाम यथावत रखे।

कार्यक्रमों में मैकेनिकल के सभी साथी बढ़चढ़कर भाग लेंगे: दलबीर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी, मैकेनिकल वर्कर यूनियन ने जिला के सभी कर्मचारी संगठन के आने वाले सभी कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। यह फैसला जिला कार्यकारिणी की मीटिंग में सर्वसम्मति से लिया गया। मीटिंग की अध्यक्षता जिला प्रधान दलवीर सिंह खरक ने की व मंच का संचालन जिला राज कुमार चहल ने किया। इस अवसर पर राज्य महासचिव जरनैल सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों के साथ किए गए वादों से मुकर रही है इसीलिए संगठन द्वारा दोबारा से संघर्ष का भी जो बिगुल बजाना पड़ा पिछले वर्ष संगठन द्वारा सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के निवास का घेराव किया गया था। वह पीडब्ल्यूडी मंत्री रणबीर गंगवा के निवास का स्थान का घेराव किया गया था, जिसमें उन्होंने बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था लेकिन बातचीत तो की लेकिन समस्या का समाधान आज तक नहीं किया गया।

महंगाई का नया भाजपाई वार, दवा की कीमतें बढ़ा किया प्रहार : रणदीप सुरजेवाला

कैथल। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने दवाईयों की कीमतों में बढ़ोत्तरी को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह जनता से बीमारी की मुसीबत में लूट का एक और नया औजार है। कैथल किसान भवन पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मरीजों और बीमारों से की जा रही 'महंगाई की लूट' इतनी निर्दयी और अमानवीय है कि भगवान भी भाजपा को माफ नहीं करेगा। सुरजेवाला ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल विधान ही इंसान द्वारा इंसान की मदद करना है, पर भाजपाईयों ने तो मरीज की मुसीबत को भी मुनाफे का धंधा बना लिया है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि एक तरफ तो पेट्रोल-डीजल-गैस की बढ़ी कीमतों के चलते भाजपा ने आम जनमानुष के बजट पर ताबड़तोड़ वार किए हैं, तो अब जरूरी दवाईयों की कीमतों में ईजाफा कर गरीब व साधारण व्यक्ति की कमर तोड़ने का काम कर रहे हैं। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार व भाजपा दवाईयों की लूट के इस धंधे से बाज आएं।

सुमित गर्ग ने हजूर साहिब सचखंड और शिरडी जाने वाले जत्थे को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

श्री साईं रसोई सेवा समिति, कैथल द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए भव्य एवं आध्यात्मिक साईं दर्शन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा श्रद्धा, सेवा, भक्ति एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होकर विभिन्न पावन धार्मिक स्थलों के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। यात्रा का शुभारंभ कैथल से श्रद्धालुओं के सामूहिक प्रस्थान के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद कैथल चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गर्ग ने हजूर साहिब सचखंड एवं शिरडी जाने वाले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा सभी श्रद्धालुओं की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

कैथल। नप चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गर्ग का स्वागत करते नवीन मल्होत्रा।

दूरदर्शी नेतृत्व से समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा विकास : सतपाल जांबा

- विधायक सतपाल जांबा ने गांव जांबा में पौधरोपण कर की अभियान की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

विधायक सतपाल जाम्बा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार के 12 वर्ष विकास, विश्वास और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं। विधायक सतपाल जाम्बा शनिवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष केवल उपलब्धियों का लेखा-जोखा नहीं हैं, बल्कि करोड़ों किसानों, गरीबों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की कहानी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को तोड़कर कश्मीर से कन्या कुमारी तक अखंड भारत का सपना साकार किया है। वहीं अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण, वन रैंक-वन पेंशन लागू करने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर, ऑप्रेशन महादेव, सर्जिकल स्ट्राइक चलाकर देश के दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब दिया। हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास और जन सेवा की नई ऊंचाईयों को छू रहा है।

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

कार्यक्रम पौधरोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी

पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार है, वे हमें सांस लेने के लिए शुद्ध ऑक्सीजन, फल-फूल और छाया प्रदान करते हैं। आज के समय में प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं विकराल रूप ले रही है, इसमें वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता और जिम्मेदारी बन गई है। गांव जांबा ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में अपनी अलग पहचान बनाई है, जिसकी तर्ज पर हम गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं। विधायक सतपाल जांबा शनिवार को गांव जांबा में केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूरे होने पर वन विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। विधायक ने कहा कि यह अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने का एक संकल्प है। प्रकृति के साथ हमने खिलवाड़ नहीं करना है। हम सभी ने कोविड के दौरान ऑक्सीजन के महत्व को बहुत करीब से महसूस किया था। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए, ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे।

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा पौधा रोपित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

समाजसेवी राजपाल को किया विधायक ने सम्मानित

पर्यावरण संरक्षण में अच्छा कार्य करने वाले समाज सेवी राजपाल की प्रशंसा करते हुए विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि बुजुर्ग होने के बावजूद भी इनमें पौधे लगाने का जज्बा कम नहीं हुआ है। समाज में नेक कार्य कर रहे हैं। इनको आज निजी कोष से 21 हजार रुपये देने की घोषणा करता हूं, ताकि यह समाज के काम आए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कार्य के लिए बढ़चढ़ कर दान करना चाहिए। जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल ने कहा कि आज यह पौधा रोपण अभियान हमें यही संदेश देता है कि ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाए जाएं, ताकि हमारा पर्यावरण संरक्षित हो। इस कार्यक्रम में जिला वन अधिकारी भूपेंद्र सिंह राघव ने भी वन विभागों की स्कीमों के बारे में गहनता से जानकारी दी। इस अवसर पर सरपंच लाभ सिंह जांबा, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, रेंज ऑफिसर कुलदीप सिंह, रेंज वन अधिकारी सतबीर सिंह कैत, राकेश गोस्वामी, सहायक राहुल शर्मा, रामप्रसाद, बाकल सरपंच नरेंद्र, शमशेर सिंह, रेखा लोहान, राजपाल, पवन सरदाना, जगदीश क्वात्रा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

27 को कच्चे कर्मचारी करेंगे कन्वेंशन

कैथल। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की जिला कार्यकारणी की विस्तारित बैठक जवाहर पार्क स्थित संगठन कार्यालय मे जिला प्रधान ओमपाल भाल की अध्यक्षता मे हुई। संचालन जिला सचिव शिवचरण ने किया। मिटिंग मे एसकेएस के ब्लॉको के प्रधान, सचिव व कैशियर विभागीय यूनियन से पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित हुए। मुख्य वक्ता के तौर पर संध के राज्य उपप्रधान कपिल सिरोही, अध्यापक संघ से राज्य महासचिव रामपाल शर्मा, अग्निशमन कर्मचारियों के राज्य प्रधान राजेन्द्र सिणंद, चतुर्थ श्रेणी युनियन से छज्जू राम, सीटू के जिला कैशियर जयप्रकाश शास्त्री ने कहा की केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार किसान-मजदूर कर्मचारी व आम मेहनतकश वर्ग पर कार्पोरेट परस्त नीतियों को थोप रही है।

निर्माण मजदूरों ने फूंका सरकार का पुतला

जींद। निर्माण कल्याण बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल को तुरंत शुरू करवाने और रुकी हुई कल्याणकारी योजनाओं की राशि जारी करने की मांग को लेकर दालमवाला गांव में निर्माण मजदूरों ने प्रदर्शन किया। नाराज श्रमिकों ने श्रम मंत्री और मुख्यमंत्री का पुतला फूंककर रोष जताया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा के जींद जिला सचिव संदीप जाजवान और सह सचिव पवन कुमार ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑनलाइन पोर्टल को जानबूझ कर बंद रखा गया है ताकि गरीब मजदूरों को उनके हकों से वंचित किया जा सके।

मनरेगा मजदूरों ने लगाए आरोप

राजौंद। रोहेड़ा में मनरेगा मेट एवं मजदूर यूनियन इकाई की एक अहम बैठक का आयोजन राजवीर मैहरा के घर पर किया गया। अध्यक्षता कमला देवी ने की, जिसमें पवन कुमार, सोनू, गुड्डी, राजो, राजपति, कृष्णा, चंद्रो, सरोज, ओमी, कमला, संतोष, नीलम सहित कई मजदूरों ने भाग लिया। उन्होंने कहा गांव में हजारों मनरेगा मजदूर पंजीकृत हैं, लेकिन डेढ़ वर्ष से एक भी मस्टरोल जारी नहीं किया गया। अनेक बार आवेदन और शिकायतें देने के बाद हाल ही में तालाब खुदाई के लिए एक मस्टरोल जारी हुआ, लेकिन मात्र दो दिन बाद ही काम बंद कर दिया गया। कहा गया कि जीपीएस लोकेशन के कारण आधे मजदूरों की हाजिरी दर्ज नहीं हो पा रही है।

सोमवती अमावस्या को लेकर प्रशासन कर रहा तैयारी
पिंडारा तीर्थ तालाब में ट्यूबवेल से छोड़ा जा रहा पानी

अधिक मास में सोमवती अमावस्या का पड़ना महासंयोग : नवीन शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ हिंदू धर्म में अमावस्या का है विशेष महत्व

ऐतिहासिक एवं धार्मिक पांडु पिंडारा तीर्थ स्थल पर 15 जून को सोमवती अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिंडारा तालाब में ट्यूब्वैल के माध्यम से पानी छोड़ा जा रहा है ताकि दूरदराज से आने वाले लोग यहां स्नान कर सकें और इसके बाद पिंडदान कर सकें। हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व है लेकिन जब यह सोमवार के दिन पड़ती है तो इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है।

पिंडारा तीर्थ में ट्यूबवेल के माध्यम से छोड़ा जा रहा पानी व पानी से भर रहा तालाब।

श्रद्धालुओं की उमड़ेगी भीड़

सोमवती अमावस्या में पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर सोमवार को हजारों की संख्या में श्रद्धालु सरोवर में स्नान कर तर्पण करेंगे। श्रद्धालुओं की भीड़ की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने भी तैयारियां शुरू कर रखी हैं। स्पेशल पुलिसकर्मियों की डयूटी लगाई गई हैं। वहीं वालेंटियर व श्रद्धालु व्यवस्था की कमान संभालेंगे। जींद-गोहाना मार्ग पर जाम की स्थिति न रहे, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस भी कमान संभाले रहेगी।

व्रत, स्नान और दान कल

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि अधिक मास के कृष्ण पक्ष की यह अमावस्या तिथि 14 जून रविवार को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से शुरू होगी जो अगले दिन 15 जून सोमवार को सुबह 8 बजकर 24 मिनट तक रहेगी। सोमवती अमावस्या का व्रत, स्नान, दान व पितृ कार्य 15 जून को ही किया जाएगा। सुबह चार बजकर चार मिनट से चार बजकर 44 मिनट तक का ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम माना गया है।

यह रहेगी सोमवती अमवस्या की पूजा-विधि

जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि सुबह जल्दी उठ कर स्नान करें। इस दिन पवित्र नदी या सरोवर में स्नान करने का विशेष महत्व रहता है। अगर सरोवर या नदी में स्नान नहीं किया जा सकता है तो घर पर ही नहाने के पानी में गंगा जल डाल कर स्नान कर सकते हैं। स्नान करने के पश्चात घर के मंदिर में दीप प्रज्जवलि करें। सूर्य देव को अध्य दें। अगर उपवास रख सकते हैं तो अवश्य रखें। पितरों के निमित्त तर्पण और दान अवश्य करें।

पिंडारा तीर्थ का यह है महत्व

पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। सोमवती अमावस के आने पर परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से माना जाता है कि पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान का विशेष महत्व है।

विकास से महिला सशक्तिकरण तक हर क्षेत्र में बने कीर्तिमान

मोदी सरकार के 12 वर्षों में वैश्विक मंच पर बढ़ा भारत का मान: डॉ. मिड्ढा

अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया साकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा ने प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच की सराहना करते हुए कहा कि देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ जब किसी प्रधानमंत्री ने स्वयं हाथ में झाड़ू थाम कर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की। जब देश का प्रधान ऐसा उदाहरण पेश करता है तो जनता में जागरूकता स्वतः आ जाती है। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्ण मिड्ढा शनिवार को केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। डा. मिड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश और प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। इस कार्यकाल में न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है बल्कि अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया गया है। उन्होंने एक प्रेरक संस्मरण साझा करते हुए बताया कि एक कार्यक्रम के दौरान जब प्रधानमंत्री को किसी पुस्तक का विमोचन करना था तो उन्होंने पुस्तक पर लगा रैपर उतार कर सड़क पर फेंकने के बजाय सम्मानपूर्वक अपनी जेब में रख लिया। ऐसी छोटी-छोटी पहल का ही परिणाम है कि आज देश का बच्चा-बच्चा जागरूक हो चुका है। गाड़ी में सफर करते समय बच्चे अब बड़ों को भी सड़क पर कचरा फेंकने से टोकने लगे हैं।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

बेटियों को लेकर बदला नजरिया

डा. मिड्ढा ने कहा कि पानीपत की ऐतिहासिक धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुरू किया गया बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, अभियान समाज के लिए वरदान साबित हुआ है। उन्होंने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि पहले घरों में बेटियों के जन्म पर मायूसी छा जाती थी लेकिन आज लोग बेटियों के जन्म को साक्षात लक्ष्मी का आगमन मानते हैं। शास्त्र भी गवाह हैं कि बेटी का जन्म अपने साथ परिवार के लिए भाग्य और समृद्धि लेकर आता है। कश्मीर घाटी में पत्थरबाजी के खात्मे का जिक्र करते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि आज देश की आंतरिक सुरक्षा इतनी मजबूत है कि देश विरोधी तत्वों की सिर उठाने की हिम्मत नहीं होती। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण को उन्होंने देश की कई पीढ़ियों के सपने का साकार होना बताया। डा. मिड्ढा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने श्रद्धालुओं को भगवान श्री राम के दर्शन कराने के लिए बसों और ट्रेनों की विशेष व्यवस्था की है।

जींद। जनसमस्याएं सुनते हुए डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा।

जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : डिप्टी स्पीकर

जनता दरबार में लोगों की सुनीं समस्याएं

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने लोक निर्माण विश्राम गृह में जनता दरबार लगा आमजन की समस्याएं सुनीं। जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें रखी। जिस पर डिप्टी स्पीकर ने प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा जनसमस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर डिप्टी स्पीकर डा. मिड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचा है। जिससे आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि जनता दरबार जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के बीच संवाद का सशक्त माध्यम है। जिसके जरिए लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निपटारा सुनिश्चित किया जाए तथा पात्र लोगों को सरकार की जनहितकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले।

न्यूज डायरी

181 लोगों को उपलब्ध कराई स्वास्थ्य सेवाएं

कैथल। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट ने जिन्दल हाउस कैथल में 181 लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई। डॉ. बलविंदर सिंह ने बताया कि लोगों के रक्तचाप, मधुमेह सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों की जांच की गई। जरूरतमंद 129 मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं, जबकि 52 लोगों के रक्त परीक्षण किए गए। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से गांवों और कस्बों में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मां के सम्मान में एक पौधा लगाएं : निधि मोहन

पूंडरी। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर एक किरण उम्मीद की संस्था की अध्यक्षा एवं भाजपा महिला मोर्चा की जिला सचिव निधि मोहन ने पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान के अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। निधि मोहन ने कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं, जो हमें जीवन, संस्कार और स्नेह प्रदान करती हैं। वहीं वृक्ष प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जो हमें शुद्ध हवा, छाया, फल, औषधियां और पर्यावरण संतुलन प्रदान करते हैं। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए।

गोसेवा आयोग के चेयरमैन ने किया उचाना का दौरा

उचाना। भाजपा के प्रवास कार्यक्रम के तहत हरियाणा गौ सेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण गर्ग ने उचाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने काकड़ोद, सुरबरा, झील, मंगलपुर, घसो तथा उचाना मंडी सहित कई गांवों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनीं और संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी चेयरमैन श्रवण गर्ग का स्वागत कर क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया। श्रवण गर्ग ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित और गौ संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

नगर परिषद चला रहा विशेष स्वच्छता अभियान

जींद। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे विशेष जनजागरूकता अभियान के तहत नगर परिषद जींद द्वारा शहर में स्वच्छता और कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम किए जा रहे हैं। यह अभियान जिला नगर आयुक्त अनिल कुमार दून के निर्देशानुसार चलाया जा रहा है। जिला नगर आयुक्त अनिल कुमार दून ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, घर-घर कचरे के पृथक्करण की आदत विकसित करना, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 की जानकारी देना तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करना है।

नरवाना रेलवे स्टेशन पर खामियों की भरमार

नरवाना। नरवाना का रेलवे स्टेशन फिलहाल में नया बनाया गया है और इसका श्रेय नरवाना की पूरी बीजेपी टीम ले रही है चाहे वो पूर्व सांसद सिरसा हो या फिलहाल में कैबिनेट मंत्री हो, सभी इसका सेहरा उनके ही सिर बांधना चाहते हैं। जबकि काम में इतनी खामियां उसको अपने सिर पर लेने को तैयार नहीं है। पहली खामी तो वह है कि स्टेशन का जो नक्शा आया था उसके अनुसार बना ही नहीं। दूसरी सबसे बड़ी खामी है रेलवे स्टेशन का गेट जिसकी वजह से सारा शहर व आने जाने वाले यात्री परेशान है। क्योंकि जब भी कोई गाड़ी आती है तो गेट पर जाम लग जाता है।

इंडो-नेपाल रोलर स्केटिंग में गोल्ड जीतने वाली अपेक्षा का कलायत में भव्य सम्मान

■ श्री रैदास तख्त ने 12 वर्षीय खिलाड़ी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

इंडो-नेपाल रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जीतने वाली 12 वर्षीय प्रतिभावान खिलाड़ी बेटी अपेक्षा का कलायत स्थित श्री रैदास तख्त पर भव्य अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जनप्रतिनिधि संगठनों ने खिलाड़ी को सम्मानित कर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में श्री रैदास तख्त के मुख्य महंत महात्मा गुरु प्रसाद ने अपेक्षा को सम्मान चिन्ह भेंट कर उसका उत्साहवर्धन किया। आयोजन की अध्यक्षता राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के स्टेट चेयरमैन मोहिंद्र धानियां ने की, जबकि वार्ड नंबर-1 की पार्षद कुमारी रेणु धानियां विशेष रूप से उपस्थित रहीं। वक्ताओं ने कहा कि छोटी उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

कलायत। विजेता खिलाड़ी अपेक्षा का सम्मान करते महात्मा गुरु प्रसाद एवं अन्य।

पीएम मोदी के नेतृत्व के बारह साल बेमिसाल : ज्योति सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में 12 साल बेमिसाल रहे। इन 12 सालों में देश ने अभूतपूर्व तरक्की की है।

आज भारत दुनिया में सिरमौर बनने जा रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक प्रधानमंत्री बनने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में त्याग की वह मिसाल कायम की है, जो आज तक कोई भी नेता प्रस्तुत नहीं कर पाया है। प्रधानमंत्री ने गुजरात में बतौर मुख्यमंत्री वह सफलता हासिल की, जो इतिहास में कोई नहीं कर पाया। गुजरात को विकसित राज्य बनाकर दूसरे राज्यों के लिए मिसाल कायम की है। इसके बाद उन्होंने जनता के आशीर्वाद से देश की बागडोर संभाली तो देश में समस्याओं का अंबार लगा हुआ था। देश की जनता कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार से इतना तंग आ चुकी थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में देश की बागडोर भाजपा को सौंप दी। इन बारह सालों में बिना थके, बिना रुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सेवा की।

ज्योति सैनी

व्हाट्सएप मैसेज पर दिव्यांग की मदद को आगे आए विधायक देवेंद्र चतरभुज

■ ई-रिक्शा दिलाने का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

थुआ गांव के दिव्यांग युवक प्रदीप की मदद के लिए उचाना के विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री आगे आए हैं। प्रदीप ने विधायक को व्हाट्सएप पर संदेश भेजकर रोजगार एवं आवागमन के लिए इले ई-रिक्शा उपलब्ध करवाने की मांग की थी। प्रदीप ने बताया कि संदेश पढ़ने के बाद विधायक ने स्वयं फोन पर बातचीत की और जल्द ही उसकी मांग पूरी करने का आश्वासन दिया। इसके बाद विधायक ने प्रदीप से मुलाकात भी की तथा उसे ई-रिक्शा दिलाने का वादा किया। प्रदीप ने कहा कि उसने लोगों से सुना था कि विधायक देवेंद्र अत्री जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। व्हाट्सएप पर संदेश भेजने के बाद जिस तरह विधायक ने तुरंत संपर्क किया और उसकी समस्या को सुना, उससे वह काफी प्रभावित हुआ है। प्रदीप के अनुसार विधायक ने न केवल ई-रिक्शा उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया, बल्कि स्वयं उसके घर तक ई-रिक्शा पहुंचाने की बात भी कही है। उचाना क्षेत्र में अब तक कई विधायक बने हैं, लेकिन जरूरतमंदों के प्रति इस तरह की संवेदनशीलता उसने पहले कभी नहीं देखी। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि उचाना हलका उनका परिवार है। अपने परिवार के लोगों की मदद कर वो कोई अहसान नहीं कर रहे है बल्कि ये उनका दायित्व अपने परिवार के प्रति बनता है। निरंतर वो जरूरतमंदों की मदद जितनी संभव हो सकें करते है।

दिव्यांग प्रदीप

रैली व सभाओं पर रोक लगाना तुगलकी फरमान

कैथल। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी हरियाणा राज्य कमेटी प्रदेश सरकार द्वारा रैली - सभाओं पर रोक लगाने व अन्य तुगलकी फरमान ज़ारी करने की कड़ी आलोचना करती हैं। राज्य सचिव कामरेड प्रेम चंद ने प्रेस को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ने सीमित मात्रा में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी करने, हॉम फ्रॉम वर्क और रैली -सभाओ पर रोक लगाने के कदम को गैर वाजिब व अलोकतान्त्रिक बताया हैं। उन्होंने कहा यह कदम भाजपा सरकार की हताशा और तानाशाही पूर्ण रवैये को दर्शाता हैं। जनतान्त्रिक अधिकारों पर हमला प्रदेश की जनता कतई बर्दाशत नहीं करेगी। पार्टी ने राज्य में बिगड़ती क़ानून व्यवस्था पर भी गहरी चिंता जाहिर की है। हांसी में सरेआम जिम संचालक की हत्या व गोली लगने से युवती के जख्मी होने जैसी घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन ऐसी घटनाएं अख्वारों की सुर्खियां बन रही हैं। एन सी आर बी की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक अपराधिक घटनाओं में हरियाणा का स्थान देश में चौथे नंबर पर हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

योग और प्राणायाम की लोगों को समझाई गईं बारीकियां

बीमारियों को दूर भगाना है तो नियमित करें योगाभ्यास : गुप्ता

पूर्व प्रिंसिपल दर्शना गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

हुड्डा सेक्टर 20 पार्क में चल रहे सह -योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर व सर्व रोग निदान शिविर के बाहरवें दिन का शुभारंभ समाजसेवी पूर्व प्रिंसिपल दर्शना गुप्ता व उनके सुपुत्र अनिल गुप्ता ने दीप प्रज्वलन करके किया। युवा भारत जिला प्रभारी अनिल गुप्ता व शहरी प्रभारी राणा अनिल कुमार आर्य ने योग की सभी क्रियाएं करवाई तथा बारीकी से आसन प्राणायाम करने का तरीका व उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपुर की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि दर्शना गुप्ता ने कहा कि योग हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है। योग से हमारा पाचन तंत्र बेहतर होता है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शरीर के सभी अंग लचीले बनते हैं। बीपी शुगर संतुलित रहते हैं। तनाव डिप्रेशन समाप्त हो जाता है। एकाग्रता बढ़ती है, नींद अच्छी आती है। मन शांत हो जाता है, स्थिर रहता है और आत्मा परिशुद्ध हो जाती है। दिन भर ऊर्जा भरी रहती है। जीवन शैली बदल जाती है। उन्होंने उन्होंने कहा कि यह भागवत कार्य है। उन्होंने पतंजलि योग समिति के पदाधिकारीयों व खाटू श्याम सालासर सेवा समिति का धन्यवाद किया और आए हुए साधकों से आहवान किया कि योग नियमित रूप से अवश्य करें और इस श्रृंखला में अपने मित्र अपने रिश्तेदारों को परिचितों को जरूर जोड़े।

कैथल। पूर्व प्रिंसिपल दर्शना गुप्ता योग शिविर में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए।

योग हर व्यक्ति के लिए लाभप्रद

भारत स्वाभिमान प्रभारी शिविर संयोजक राम चरण ने कहा कि वर्तमान समय में योग ऋषि पूज्य स्वामी रामदेव महाराज ने समाज की आवश्यकताओं पर दृष्टि डाली। योग का पूरा अध्ययन किया। उसको प्रतिशोधित किया और अपने मेहनत तपोबल से समाज के लिए एक ऐसा पैकेज तैयार किया जिसको करके समाज का हर व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है। योग वैज्ञानिक सार्वभौमिक पंथनिरपेक्ष सर्व हितकारी व हर दृष्टिकोण से मानव मात्र के लिए अत्यंत उपयोगी है। योग प्रत्येक व्यक्ति के लिए निरापद और लाभप्रद है। इस विद्या का सम्यक रूप से अभ्यास करने वाला व्यक्ति भ्रष्टाचार अशांति व बीमारी से मुक्त जीवन जीता है बल्कि सदाचार शांत स्वस्थ संवेदनशील जीवन जीना उसकी आदत बन जाती है।

ये रहे मौजूद

मुख्य अतिथि को समिति की तरफ स्वदेशी उपहार भेंट किया गया। शिविर उपरांत मनोज सिंगला ने गौतम अग्रवाल की तरफ से प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में बदन सिंह आर्य, नरेश पंवार, वीरभान कौशिक, प्रेम जांगड़ा, पंकज मित्तल, रामफल, सतपाल गुप्ता, विनोद गर्ग, ओम प्रकाश, महेंद्र, जसवंत, शकुंतला देवी, रमा देवी, कविता के अलावा सैकड़ो साधक मौजूद रहे।

रिलेशनशिप का नया ट्रेंड डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड

हाल के वर्षों में एआई ने अनेक प्रोफेशंस में जबर्दस्त बदलाव कर दिया है। अब प्रोफेशंस से भी आगे बढ़कर रिलेशनशिप में भी इसका दखल बढ़ने लगा है। इसका प्रमाण है, रियल के बजाय डिजिटल पार्टनर बनाने का बढ़ता ट्रेंड। यह ट्रेंड क्या है, यह क्यों बढ़ रहा है और आने वाले समय में इसके किस तरह के असर हम सभी को देखने को मिल सकते हैं, इसका डिटेल्ड एनालिसिस।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

भले ही आज यह बात आपको थोड़ा असहज कर सकती है, लेकिन यह सच है कि रिलेशनशिप का नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है, वो है डिजिटल गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड। डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड (जीएफ/बीएफ) कोई साधारण ट्रेंड नहीं है, बल्कि इंसानी रिश्तों के ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव की शुरुआत है।

रियल पार्टनर जैसी फीलिंग

आज एआई आधारित एप्स और विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे रिपेलिका और करेक्टर एआई मौजूद हैं, जो यूजर के साथ उसी तरह रोमांटिक, भावनात्मक या निजी बातचीत करते हैं, जैसे ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड आपस में करते हैं। ये आपकी पसंद ही नहीं भावनाओं को भी समझते हैं, आपकी बातों पर प्रतिक्रिया देते हैं और पर्सनल पार्टनर जैसा अनुभव देते हैं।

करोड़ों लोग हैं एक्टिव

डिजिटल गर्लफ्रेंड और डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड कोई रेयर या एक्सेप्शनल फिनोमिना नहीं है। सच्चाई तो यह है कि अगर एआई कंपेनियनशिप एप्स के आंकड़ों को मानें तो इस समय दुनिया में 5 से 6 करोड़ जीएफ/बीएफ सक्रिय रूप में मौजूद हैं। पूरी दुनिया में 10 करोड़ से ज्यादा लोग ऐसे हैं, जो इनके साथ किसी न किसी रूप से चैटबॉट्स के जरिए जुड़ते हैं। इनमें सिर्फ रिपेलिका के ही 3-4 करोड़ यूजर हैं, जबकि करेक्टर एआई के 2 करोड़ सिर्फ मंथली एक्टिव यूजर हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दुनिया के 21 फीसदी वयस्क एआई कंपेनियनशिप का इस्तेमाल कर चुके हैं और 72 फीसदी किशोर कम से कम एक बार ऐसे एआई से बातचीत की है। मतलब यह कि अब यह कुछ थोड़े से लोगों का शौक या प्रयोग भर नहीं है बल्कि यह बड़ी जनसंख्या का न्यू नॉर्मल व्यवहार है।

अपने देश में भी बढ़ रहा ट्रेंड

भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। हालांकि भारत के अलग से सटीक आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इसका बढ़ता ट्रेंड साफ तौर पर देखा जा सकता है। और ऐसा हो भी क्यों न, आखिर भारत दुनिया का सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर देश है। भारत में एक अरब से ज्यादा मोबाइल फोन इस्तेमाल में हैं और इनमें 80 करोड़ से ज्यादा में इंटरनेट का इस्तेमाल होता है। अगर एआई एप्स डाउनलोड ग्रोथ 2023-24 को देखें, तो भारत में इसकी रफ्तार 1400 फीसदी रही है यानी, हाल के सालों में भारत में एआई एप्स को डाउनलोड करने की रफ्तार 14 गुना तक बढ़ी है। क्योंकि भारत में मोबाइल फोन के सबसे बड़े उपभोक्ता 18 से 30 साल के युवा हैं। इसलिए भी भारत में एआई कंपेनियनशिप की मांग अविश्वसनीय रफ्तार से बढ़ रही है। क्योंकि इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला यही वर्ग (18-30) सबसे बड़ा इंटरनेट यूजर वर्ग है। इसके बावजूद भी यह कहा जा सकता है कि भारत में यह सिलसिला अभी शुरुआती चलन में है, भले इसकी रफ्तार बहुत तेज हो।

इस ट्रेंड के बढ़ने की वजहें

सवाल है, आखिर इंसानों को डिजिटल जीएफ और बीएफ तक जाने की जरूरत ही क्यों पड़ी? यानी हम आखिर यहां पहुंचे क्यों और कैसे? इसका सबसे बड़ा कारण है लोगों में बढ़ता अकेलापन। शहरी जीवन, काम का दबाव, टूटते सामाजिक नेटवर्क और भावनात्मक सहारा ढूंढ़ते युवा। वास्तव में यही वजहें हैं, जिनके चलते पिछले कुछ सालों में ही डिजिटल जीएफ/बीएफ की रफ्तार तेजी से बढ़ी है। असली रिश्तों में लगातार बढ़ती असहमति, समझौते और जिम्मेदारियां एआई रिश्तों की तरफ हमें मोड़ रही हैं, क्योंकि वहां इस तरह की दुश्वारियां या तो नहीं हैं या इतनी नहीं है कि परेशान करके रख दें। क्योंकि एआई रिश्ते 'कंट्रोल्ड' होते हैं और उनको संभालना आसान होता है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि एआई अब इस कदर एडवांस हो चुका है कि वह लोगों को 'सोचने और समझने' का भी भ्रम पैदा कर रहा है।

रियल रिलेशन होंगे वीक

इस उभरते नए डिजिटल रिलेशन को लेकर गंभीर सवाल यह है कि अगर इस सिलसिले को जल्द रोका न गया, तो क्या होगा? भले ही अभी यह ट्रेंड रोमांचित कर रहा है, लेकिन सच है कि इससे हमारे जैविक रिश्ते आने वाले दिनों में बेहद कमजोर हो सकते हैं। अगर संबंध विशेषज्ञों की मानें तो यह सिलसिला इसी तरह बेकाबू आगे बढ़ता रहा तो असली रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगेंगी। हममें से ज्यादातर लोगों के रिश्तों के नाम एआई पार्टनर होंगे, क्योंकि एआई पार्टनर झगड़ा नहीं करते और हमेशा आपकी हां में हां मिलाते हैं। इससे असली रिश्ते जटिल लगने लगते हैं और एआई रिश्ते आकर्षक हो जाते हैं। जो लोग हर दिन एआई के साथ एक से दो घंटे के लिए संपर्क में रहते हैं, उन्हें एआई से लगाव हो जाता है। वे उसे अपने पार्टनर के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। यह वैसा ही है, जैसे सोशल मीडिया एडिक्शन। पर, यह उससे भी एक कदम आगे का एडिक्शन है, क्योंकि इससे हमारे न सिर्फ भावनात्मक रिश्ते पर चोट लग रही है बल्कि इसके कारण हमारे समाज का सदियों से मौजूद पारंपरिक ढांचा दरकने लगा है।

मेंटल हेल्थ पर बुरा असर

डिजिटल रिलेशन का असर सिर्फ भावनात्मक रिश्तों तक ही सीमित नहीं रहता है बल्कि बढ़ते जीएफ/बीएफ ट्रेंड के कारण हमारे युवाओं के मेंटल हेल्थ पर भी गंभीर असर पड़ता है, क्योंकि शुरुआत में ये डिजिटल ब्वॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड भले राहत देते हों, लेकिन जब आप लगातार इनके टच में रहते हैं या इनका इस्तेमाल करते हैं, तो ये न केवल आपको अकेलेपन के दलदल में खींच ले जाते हैं बल्कि आपको कई तरह की हताशाओं और निराशाओं से भी भर देते हैं। अकसर एआई कंपेनियनशिप के साथ जो लोग खुश होते हैं, उन्हें नजदीक के इंसानों से रिश्ते बनाने में बड़ी मुश्किल लगती है और अगर किसी तरह से इनके रिश्ते बन भी गए, तो उन्हें यह रिश्ते बहुत पसंद नहीं आते। *

बढ़ सकती हैं कई तरह की समस्याएं

डिजिटल जीएफ/बीएफ का बढ़ता ट्रेंड सचमुच में डरावना है। इससे आने वाले समय में कई समस्याएं सामने आ सकती हैं। इसके बढ़ने से शादी और परिवार की संस्था कमजोर होगी। कस्टम पार्टनर की आदत यानी हम जैसा साथी चाहते हैं या दूसरे शब्दों में अपनी कल्पना के साथी की तलाश में रहने लगेंगे। अगर यह चलन इसी तरह तेजी से बढ़ता रहा, तो देश और दुनिया में अकेले रहने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा हो जाएगी। कई विशेषज्ञों के मुताबिक तो अगले दो-तीन दशकों में अकेले रहने वाले लोग, साथ में रहने वाले लोगों से भी ज्यादा हो सकते हैं। इससे सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी। यह ट्रेंड मानव समाज के सामने एक गंभीर चुनौती बन सकता है।

इंसानी सभ्यता की शुरुआत से ही हमेशा जवान, खूबसूरत दिखने की चाहत रही है। इसे पाने के लिए नेचुरल तरीकों से लेकर, साइंस, दवाएं और अब एआई तक का यूज किया जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही खूबसूरती का कोई पर्मानेंट सॉल्यूशन हमें मिल जाएगा।

पर्मानेंट खूबसूरती की चाहत जल्द मिल सकता है सॉल्यूशन

टेक्नोसाइंस
प्रतिमा अरोड़ा

इंसानी खूबसूरती का क्या कोई स्थायी और सार्वभौमिक फार्मूला हो सकता है? 19वीं शताब्दी से ही विज्ञान इस सवाल का जवाब ढूंढ़ रहा है। आधुनिक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, जेनेटिक्स और कॉस्मेटिक मेडिसिन का अब लगभग यह केंद्रीय विषय बन चुका है कि दुनिया भर के इंसानों के लिए एक सार्वभौमिक खूबसूरती का पैमाना क्या हो और इसे पूरी दुनिया के स्तर पर संभव कैसे बनाया जाए? यह सोच और यह खोज इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंसान सदियों से सुंदर होने के उपाय खोजता रहा है। कभी प्राकृतिक नुस्खों से, कभी शल्य चिकित्सा से, कभी जीन एडिटिंग से, तो अब एआई आधारित तकनीकों से भी।

खूबसूरती की खोज की शुरुआत

19वीं सदी के अंत से ही वैज्ञानिक इंसान की स्थायी खूबसूरती का समाधान खोज रहे हैं। विशेषकर जब से शरीर रचना विज्ञान यानी एनाटॉमी और त्वचा विज्ञान यानी डर्मेटोलॉजी का व्यवस्थित विकास हुआ। तभी से विज्ञान कुछ बातों पर फोकस कर रहा है। जैसे-त्वचा की संरचना का विज्ञान क्या है और इसे हमेशा जवान कैसे बनाए रखा जा सकता है? आखिर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया क्या है और इसे कैसे रोका जा सकता है? हार्मोन और सौंदर्य के बीच क्या संबंध हैं, क्या हार्मोन में ही इंसानी सौंदर्य का रहस्य छिपा है? 20वीं सदी के मध्य में प्लास्टिक सर्जरी के बाद कॉस्मेटिक सर्जरी लगभग चमत्कार की तरह उभरकर सामने आई। इस दौर में अनेक जैविक शोधों से यह स्पष्ट हुआ कि त्वचा का रंग, बालों की बनावट, चेहरे की आकृति और झुर्रियां इन सबका बड़ा हिस्सा जीन द्वारा नियंत्रित होता है। अतः जीन नियंत्रण का विज्ञान समझ लिया जाए तो एक तरह से खूबसूरती पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

सौंदर्य का केंद्र जेनेटिक्स

साल 2003 में ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट लांच हुआ और यह विज्ञान के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। इससे यह समझ में आया कि मानव शरीर में मौजूद हजारों जीन, हमारे शरीर की अलग-अलग संरचनाओं और गुणों के लिए जिम्मेदार हैं। इस शोध से पता चला त्वचा की मोटाई का कारण क्या है? कोलेजन का उत्पादन कैसे होता है? उम्र बढ़ने की गति क्या होती है? बाल झड़ते क्यों हैं? केंद्रीय रूप से इन सबके पीछे विशिष्ट कारण सिर्फ जीन हैं। आज वैज्ञानिक जीनों की पहचान करके एजिंग के रहस्य का पर्दाफाश करने में लगे हैं। इस शोध और लगातार कोशिश का निष्कर्ष यह है कि सैद्धांतिक रूप से जीन स्तर पर बदलाव करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है।

प्रभावी है कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी

हालांकि कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी अभी अस्थायी ही है। लेकिन निश्चित रूप से यह सौंदर्य विज्ञान का सबसे विकसित क्षेत्र है और एस्थेटिक मेडिसिन को भविष्य इंसान की खूबसूरती को स्थायी रूप देने में सक्षम माना जा रहा है। आज इसी विज्ञान के चलते- बोटोक्स, डर्मल फिलर्स, लेजर स्किन रिसर्फेसिंग तथा केमिकल पिल्स जैसी प्रक्रियाओं से लोग अपनी झुर्रियां कम कर रहे हैं। त्वचा को चिकनी, मुलायम और टाइट रख पाने में सफल हो रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि चेहरे को पसंदीदा आकृति देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि अभी यह 100 फीसदी संभव नहीं है, लेकिन हर गुजरते साल के साथ यह पहले से बेहतर होती जा रही है। इस बात का सबूत है कि बहुत जल्द इंसानी खूबसूरती का स्थायी समाधान बनकर कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी सामने आएगा।

जीन एडिटिंग में है भविष्य

साल 2012 के बाद जीन एडिटिंग तकनीक, जिसे सीआरआईएसपीआर-सीएएस-9 कहा जाता है, ने चिकित्सा जगत में क्रांति ला दी। इस तकनीक के जरिए वैज्ञानिक खराब जीन काट सकते हैं, नए जीन जोड़ सकते हैं, जीन के व्यवहार को नियंत्रित कर सकते हैं। ये सब सहूलियतें उम्मीद जता रही हैं कि भविष्य में इंसान गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, थैलेसीमिया और जेनेटिक डिसऑर्डर से पार पाने में सफल रहेगा। एजिंग के प्रभाव को धीमा किया जा सकता है, बालों के झड़ने को रोका जा सकता है, त्वचा को युवा बनाए रखने की स्थायी तरकीब ढूंढ़ी जा सकता है। लब्बोलुआब यह कि सिर्फ सुंदरता बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए, जीन एडिटिंग की कवायद लगातार जारी है।

एआई और पर्सनलाइज्ड ब्यूटी

एआई आधारित सिस्टम के जरिए अब हम यह जान सकते हैं कि किसी व्यक्ति की त्वचा कितनी बूढ़ी है और वह किस रफ्तार से बूढ़ी हो रही है? वास्तव में इस सारी जानकारी को पर्सनलाइज्ड ब्यूटी प्लान के नाम से जानते हैं और इस प्लान के अस्तित्व में आने के बाद अब अलग-अलग इंसानों का स्वतंत्र रूप से खूबसूरत और स्वस्थ होना ज्यादा आसान और गारंटीड हुआ है। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि अब खूबसूरती का स्थायी समाधान हासिल करने में बहुत देर नहीं है। *

गजल
सुधा मिश्रा 'तितिक्षा'

मौसमों की करवटें, इक आईना दिखला रही हैं,
वादियां, यादों के वो लम्हात, फिर दुहरा रही हैं।
जिन निगाहों में कभी, शर्म-ओ-हया की चिलमनें थीं,
हो चुकीं बेलौस, पलकें भी कहां झपका रही हैं।
शादमां है दिल, नजर की बेकरारी रंग पर है,
मस्तियां रुख्सारों पे, कुछ सिलवटें बिखरा रही हैं।
कंपकंपी में गर्म चादर, की तरह उनको लपेटे,
जो गुजारी हैं कभी, रातें वही तड़पा रही हैं।
जेठ की दोपहरियों में, जल रही वीरानियां ये,
चिलचिलाती धूप में, उनको पुकारे जा रही हैं।
भीगते सावन में फिर, झीनी फुहारें लौट आईं,
अश्क पलकों में लिए, परछाइयां टकरा रही हैं।
झूमती रिमझिम घटाएं, तिश्नगी में चूर होकर,
ये हवाएं सरसराती, मस्त हो बल खा रही हैं।
चुप मनाजिर थे मगर, फिर झील से हलचल उठी वो,
कुछ हिलोरें नाव में, तन्हाईयां भी ला रही हैं।
मुंतजिर बैठी 'सुधा', है सब्र का दामन संभाले,
जिंदगी कम पड़ न जाए, फिक्रें ये घबरा रही हैं।

स्मरण
अरविंद कुमार

सभी करते थे बाबू जी का सम्मान

हिंदी के प्रख्यात कथाकार अमरकांत जी का यह जन्मशती वर्ष है। उनकी कहानियों और उपन्यासों से तो अधिकांश साहित्यप्रेमी परिचित है ही, पर उनके व्यक्तित्व और स्वभाव में उपस्थित सदाशयता, विनम्रता के बारे में लोग कम ही जानते हैं। उनके सुपुत्र अरविंद कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावभीनी स्मृतियां **हरिभूमि** से साझा कीं। दुर्भाग्य से कुछ माह पूर्व अरविंद जी का निधन हो गया।

बाबू जी (अमरकांत जी) सपरिवार लखनऊ से जब करेलाबाग कॉलोनी (इलाहाबाद अब प्रयागराज) में आकर रहने लगे तो वहां एक अलग माहौल देखने को मिला। इस कॉलोनी में पांच सौ चार क्वार्टर्स हुआ करते थे, जिसमें हिंदू, मुसलमान, सिख और ईसाई सभी रहा करते। वहां बहुत ही सुखद सामाजिक रिश्तों का ताना-बाना, सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिला। हर तरफ हरियाली एवं सांस्कृतिक परिवेश का माहौल था। हमारे क्वार्टर के ठीक सामने एक बड़ा अमलतास का पेड़ था। गर्मियों में इसके फूल खिलते तो ऐसा महसूस होता था, जैसे पेड़ पीले गहनों से सजा हुआ है, एक बार नामवर सिंह जी दो-चार लोगों के साथ आए तो इस स्थान ने उन्हें अभिभूत कर दिया, वे बोले, 'अमरकांत जी हम लोग इसी मनोरम जगह पर बैठेंगे। सुबह का समय, यहां की अनुभूति कैसी होती है, महसूस किया जाए।' दरअसल, पेड़ों पर तरह-तरह के पक्षियों का आवागमन, उनका कलरव मोहक लगता। इसीलिए आने वाले लोगों को यह स्थान मनोरम लगता।

कॉलोनी के बाहर की एक सड़क (नूर उल्लाह रोड, जो स्टेशन से सीधी करेली गांव तक जाती) पर मिस्टर रफी अहमद नाम के व्यक्ति का प्रेस एवं पेपर कटिंग मशीन लगी थी। इस स्थान पर रोजाना दो खेल शतरंज एवं कैरम सायं सात बजे से रात्रि बारह बजे तक नियम से खेला जाता। रफी साहब का बाबू जी से बहुत अच्छा संबंध था। बाबू जी को भी उक्त दोनों खेल पसंद थे। शनिवार के दिन अकसर वहां उनका इंतजार रहता। बगल के मोहल्ला रसूलपुर से भी शतरंज और कैरम में रुचि रखने वाले कुछ लोग आते, जिसमें दो नाम खासतौर पर मुझे याद हैं एक बहार आलम, जो पेशे से वकील, साहित्य कला में भी दिलचस्पी रखते थे। और उनके छोटे भाई नन्हे पहलवान भी उनके साथ आया करते थे। एक रोज की बात है, मां ने मुझसे कहा, 'रात अधिक हो गई है। रफी अहमद के यहां जाकर देखो बाबू जी अभी आए क्यों नहीं?' मैं कुछ ही समय पश्चात वहां पहुंच गया। खेल में बड़ी खामोशी थी। शतरंज की अंतिम बाजी पर लोगों की निगाहें गड़ी हुई थीं। कई शोहरतमंद गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में खेल हो रहा था। उर्दू अनुवादक हुनर साहब, स्थानीय विधायक हबीब अहमद आपस में बाजी लगा बैठे थे। बाबू जी की दूसरी तरफ खिलाड़ी बहार आलम थे। पंद्रह मिनट का समय लगा, बाजी बाबू जी ने अपने पक्ष में कर ली। सभी बाबू जी को बधाई देने लगे। पर वे बहार आलम के खेल की सराहना करते जा रहे थे, 'बहुत अच्छा खेला आपने।' बाबूजी का स्वभाव ऐसा ही था, उनमें दंभ जरा भी नहीं था।

बाबूजी से जुड़ी एक और स्मृति याद आ रही है। अक्टूबर 1987 का दिन, वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। वे मेटाबॉलिक बोन डिजीज से ग्रसित हो गए। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड में इंफेक्शन हो गया था। प्रारंभ में कई डॉक्टरों से संपर्क किया गया, डॉक्टरों ने जॉगिंग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी। उन्हें पेनकिलर के सहारे मुक्त कर दिया गया। समस्या यह हो गई कि उन्हें कोई भी खान-पान की चीज अच्छी नहीं लग रही थी और उनके बैक बोन में असहनीय दर्द था। मेडिकल कॉलेज के हड्डी के एक्सपर्ट डॉक्टरों ने कहा, 'घबराने की बात नहीं है उम्र का तकाजा है।' जबकि ऐसी भी उम्र नहीं थी कि उस पर दोष मढ़ा जाए। बहरहाल, वे घर आ गए। मगर समस्या जस की तस बनी रही।

वे उन दिनों महिलाओं की पत्रिका 'मनोरमा' का संपादन कर रहे थे, किंतु स्वास्थ्य की वजह से असमर्थ हो गए थे। इसकी जानकारी डॉ. शांति चौधरी जी को हुई तो वे भागे-भागे घर पर आईं और पूरी जानकारी ली। उन्होंने अगले दिन इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में वीआईपी वार्ड बुक करवाया। सभी चेकअप हुए। जानकारी मिली कि बाबू जी का हीमोग्लोबिन चार प्रतिशत पर आ गया है, जोकि बहुत ही चिंताजनक था। नामी विशेषज्ञ डॉक्टर ने देखा। बाबू जी दो दिन अस्पताल में रहकर वापस घर आ गए। शांति चौधरी जी, बाबू जी को पिता तुल्य मानती थीं। हम लोगों का उनसे बहुत आत्मीय रिश्ता रहा है। वह 'मनोरमा' से विशेष कार्याधिकारी के रूप में जुड़ी थीं और इलाहाबाद मेडिकल कॉलेज में पीआरओ के पद पर थीं।

कुछ दिनों तक जब बाबू जी की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिंता हुई। तभी उन्हें देखने के लिए एस. के. दुबे आए जो टाइम्स ऑफ इंडिया के ब्यूरो चीफ थे। उन्होंने बताया डॉ. आर. सी. गुप्ता ऑस्ट्रेलिया से आ गए हैं, एक बार उन्हें बाबू जी को दिखाया जाएगा। उस समय रात्रि के आठ बजे हुए थे। लेकिन मुझे दूसरे दिन पर न टालकर रात्रि में ही ले जाना उचित लगा।

क्लीनिक बंद होने का समय रात्रि नौ बजे तक था। हम लोग पौने नौ बजे अस्पताल पहुंच गए। काउंटर बंद हो रहा था। डॉक्टर के असिस्टेंट डॉ. ए. के. सिंह ने बताया कि आप फीस जल्दी जमा कर दें, डॉ. साहब उठने वाले हैं। तभी डॉ. आर. सी. गुप्ता हम लोगों के समीप आए। उनकी पोशाक, पैर में खड़ाऊ और खद्दर का कुर्ता-पाजामा। पूछा, 'इन्हें क्या हो गया?' मैंने सभी बातें बताईं। उन्होंने असिस्टेंट डॉ. सिंह से कहा कि उस जगह का एक्स-रे करें जहां दर्द है। मैंने बताया प्रेस में जॉब करते हैं। फिर उनका सवाल था खड़े होकर काम करते हैं या बैठकर? मैंने कहा, 'बैठकर ही करते हैं।'

डॉक्टर गुप्ता ने पूछा, 'प्रेस कहां पर है?' जब मैंने प्रेस का नाम बताया, तो बोले, 'अरे यह प्रेस तो बहुत बड़ा है। यहां से तो पांच-छह मशहूर पत्रिकाएं निकलती हैं माया, मनोरमा, सत्यकथा, मनोहर कहानियां, प्रोब इंडिया। मनोरमा के संपादक तुम्हारे पिता के नाम वाले ही हैं, उनका नाम अमरकांत है, मगर वह बड़े राइटर हैं।'

मैंने जब उनसे कहा कि वे यही हैं। इस पर पहले तो डॉक्टर साहब मुझे कुछ सेकेंड एकटक देखते रहे फिर उठकर एक्स-रे रूम में गए। कुछ सेकेंड में डॉक्टर ए. के. सिंह जी बाहर आए और रसीद काउंटर रूम में गए। मेरे जमा किए गए पैसे लाकर विनम्रतापूर्वक मुझे दे दिए। बोले, 'डॉक्टर साहब ने पैसे वापस करने के लिए कहा है।' डॉक्टर आर. सी. गुप्ता पंद्रह-बीस मिनट में अपने चैंबर में वापस आ गए, बोले, 'जो मुझे शक था वही निकला।' उन्होंने अपने क्लीनिक से पूरे एक माह की दवा मुझे दी। मैं पैसे निकालने लगा, तो मना कर दिया, फिर बोले 'इनका पूरा इलाज मैं करूंगा। आपको कोई तनाव नहीं लेना है। मैं आपके साथ हूं। मुझे अमरकांत जी की सेवा करने का मौका मिला, मेरा सौभाग्य है। मैं कमिश्नर, मंत्री के घर नहीं जाता हूं, लेकिन मैं आपके घर नियमित आकर इनको देखूंगा। अस्पताल आने की जरूरत नहीं है, घर पर ही सभी इंतजाम करवा दूंगा।' उन्होंने सच में ऐसा ही किया। घर पर ही बाबू जी को ट्रैक्शन लगवाया, साथ ही कमर से लेकर छाती तक प्लास्टर भी करवाया। छह माह तक वे बाबू जी को देखने घर नियमित आते रहे, न कभी फीस लिया और दवा, इंजेक्शन के खर्च से भी मुक्त रखा। बाबू जी छह माह ट्रैक्शन, प्लास्टर और दवा पर रहे, सीधे लेटे रहते। मर्ज जरूर दूर हो गया किंतु स्पाइनल कॉर्ड डिफार्मर हो गया। बाबू जी को कष्ट तो बहुत रहा लेकिन डॉक्टर आर. सी. गुप्ता जैसे लोगों का उनके प्रति आदर और प्रेम देखकर मैं अभिभूत हो जाता था। बाबू जी इतने बड़े लेखक-संपादक थे लेकिन उनका व्यक्तित्व इतना सरल रहता कि हर कोई उनका सम्मान करता था। *

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

भारत के उत्तरपूर्व में छोटा सा प्रदेश है- सिक्किम। इसका एक तिहाई हिस्सा बायोस्फीयर रिजर्व और यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है, जहां दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची चोटी, माउंट कंचनजंगा स्थित है। यहां की संस्कृति मिली-जुली है। खाना अनोखा है, नजारे शानदार, सड़कें साफ-सुथरी और माहौल बहुत शांत है। कुछ समय पूर्व ही सिक्किम की यात्रा से लौटीं लेखिका इसकी खूबसूरती बयां कर रही हैं अपनी जुबानी।

जन्नत से कम नहीं सिक्किम

हालांकि देश के अलग-अलग हिस्से में यात्राएं तो मैंने कई की हैं। लेकिन अब तक देश के उत्तरी पूर्वी राज्यों में से कहीं जाना नहीं हुआ था। इसलिए जिस दिन सिक्किम यात्रा का प्लान फाइनल हुआ, उस दिन से मन में एक अलग-सा उल्लास भर गया था। दिल्ली से सिक्किम जाने के दो विकल्प थे- ट्रेन या हवाई जहाज। हमारे समूह ने ट्रेन से जाने का निर्णय लिया। दिल्ली से पहले पश्चिम बंगाल के नई जलपाईगुड़ी और फिर वहां से प्राइवेट कैब लेकर गंगटोक। यह यात्रा काफी दिलचस्प रही। पहाड़, जंगल, संग-संग बहती तीस्ता नदी और छोटे-छोटे गांव, कस्बों को पार करते हुए आखिरकार हम गंगटोक पहुंचे।

गंगटोक ने मोह लिया मन

हिमालय की गोद में बसा गंगटोक एक ऐसा स्थान है, जहां बादल पहाड़ों के साथ अठखेलियां करते हैं, तो नदियां अपनी ही धुन में गीत गाती बहती हैं। यह नजारा किसी जन्नत से कम नहीं लगता। जैसे ही सूरज की किरणें बर्फ से ढंकी चोटियों को चूमती हैं, नीचे हरी-भरी घाटियों पर सुनहरी आभा बिखर जाती है। अपने रंग-बिरंगे बौद्ध मठों, बाजारों और मोहक नजारों से सजा गंगटोक बेमिसाल है। सिक्किम की यह राजधानी दुनिया के कुछ सबसे शानदार बौद्ध मठों का घर है, जिसमें सबसे मशहूर मठ है रुमटेक मठ। गंगटोक से करीब 21 किमी दूर स्थित इस मठ के शांत माहौल में आप रम जाएंगे। इसके अलावा, बीच शहर में स्थित गोनजैंग मठ भी कम मनमोहक नहीं है। शहर के अन्य आकर्षणों में बानझाकरी वॉटरफॉल, ताशी व्यू प्वाइंट, गणेश टोक, हनुमान टोक, गैंगटोक रोप-वे राइड, हिमालयन जूलॉजिकल पार्क और ऑर्किडेरियम मुख्य हैं।

टेमी टी गार्डन से कंचनगंजा के दीदार

गंगटोक पहुंचने के दूसरे दिन, सुबह नाश्ता करके हम सभी पश्चिम सिक्किम के पेल्लिंग के लिए रवाना हुए, जो करीब 130 किमी. दूर था। हमारा पहला पड़ाव टेमी चाय बागान था। यह सिक्किम का एकमात्र टी गार्डन है, जहां ऑर्गेनिक चाय की पैदावार होती है। घुमावदार रास्तों से जब हमने इस गार्डन में प्रवेश किया, तो वहां की खूबसूरत छटा देखते ही रह गए। मौसम साफ था, तो वहां से कंचनजंगा चोटी के दीदार भी हुए। कुछ समय बिताने के पश्चात हम आगे बढ़े। शाम करीब 4.15 बजे हम पेल्लिंग स्थित अपने होम स्टे पर पहुंच गए। वहां सभी का स्थानीय रीति-रिवाज के अनुसार, स्वागत हुआ। लेकिन तब तक मौसम का रंग बदल चुका था। रिमझिम शुरू हो गई। अगली सुबह भी बारिश थमी नहीं। लेकिन नौ बजते-बजते आसमान साफ होने लगा। हम निकल पड़े पेल्लिंग की ओर।

पश्चिमी सिक्किम का नगीना-पेल्लिंग

पेल्लिंग एक शांत कस्बा है, जो करीब 7,050 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग सरीखा है। हरी-भरी घाटियों, झर-झर गिरते झरनों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ यह इलाका सिक्किम के मूल स्वरूप को बेहद खूबसूरती से समेटे हुए है। यहां अकसर कोहरा और बादल छाए रहते हैं, जो इसकी अलौकिक सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। यहां ट्रैकिंग, माउंटेन बाइकिंग, बर्ड वॉचिंग करने के अलावा, प्राचीन मठ, गोंपा और स्तूपों से लेकर यूनेस्को द्वारा घोषित विश्व धरोहर कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं पवित्र खेचेओपालरी झील की सैर कर सकते हैं। हमने कुछ चुनिंदा स्थानों पर जाना तय किया।

पेमायंगत्से मठः 17वीं सदी में स्थापित, सिक्किम के सबसे पुराने मठों में से एक पेमायंगत्से मठ में दुर्लभ कलाकृतियां देखने को मिलेंगे।

खेचेओपालरी झीलः बौद्ध और हिंदू धर्म में पूज्यनीय माने जाने वाले पवित्र खेचेओपालरी झील में एक अलग ही अनुभव होता है। मान्यता है कि मनोकामना पूर्ति करने वाली इस झील के शांत जल को गुरु पद्मसिन और देवी तारा का आशीर्वाद प्राप्त है।

सिडकियोंग बर्ड पार्कः पक्षी प्रेमियों के लिए पेल्लिंग और रबदंत्से के बीच एक खास आकर्षण का स्थल है- सिडकियोंग बर्ड पार्क, जो हिमालयी क्षेत्र में पाए जाने वाले देशी-विदेशी पक्षियों का घर है।

रिवर ऑरेंज गार्डनः रिंबी नदी के किनारे स्थित इस गार्डन में संतरे के बेशुमार पेड़ लगे हैं। ऑरेंज गार्डन के अंदर एक विलेज होमस्टे, कुछ दुकानें और रेस्टोरेंट भी हैं।

ग्लास स्काईवॉकः ग्लास स्काईवॉक पेल्लिंग के बेहद शानदार अनुभवों में से एक है। देश के इस पहले 'ग्लास स्काईवॉक' के अनुभव को भुलाया नहीं जा सकता, जो समुद्रतल से लगभग 7200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। जब आप इसके पारदर्शी शीशे के फर्श पर कदम रखते हैं, तो हवा में चलने जैसा एहसास होता है। नीचे घाटी को देखते हुए रोमांचक अनुभव होने के साथ-साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। लेकिन आस-पास के हरे-भरे नजारे और पूर्वी हिमालय के शानदार दृश्य मन को सुकून देते हैं। स्काईवॉक के समीप ही चार भुजाओं वाले चेनरेजिंग (अवलोकितेश्वर) की 137 फीट ऊंची मूर्ति भी स्थित है।

नामची में चार धाम के दिव्य दर्शन

पेल्लिंग में दो दिन बिताने के उपरांत हमारा अगला डेस्टिनेशन था, सिक्किम के दक्षिण में स्थित नामची। इसे राज्य का सांस्कृतिक और धार्मिक केंद्र कहते हैं। यहां हमने 'चार धाम' मंदिर के दर्शन किए। असल में यहां भारत के चार पवित्र मंदिरों- बद्रीनाथ, जगन्नाथ, द्वारका और रामेश्वरम की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में भगवान शिव की 108 फुट ऊंची प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र है। समीप में एक भव्य साईं मंदिर भी है।

रावंगला का अलौकिक बुद्ध पार्क

नामची से जब हम रावंगला की ओर बढ़े, तो वहां हमें एक भव्य बुद्ध पार्क के दर्शन हुए, जिसे 'तथागत त्सल' के नाम से भी जाना जाता है। यहां शाक्यमुनि बुद्ध की 130 फुट ऊंची, अत्यंत सुंदर प्रतिमा स्थित है।

मनमोहक त्सोंगो झील

गंगटोक से लगभग 40 किलोमीटर दूर (गंगटोक-नाथुला हाइवे), 12,313 फीट की ऊंचाई पर स्थित त्सोंगो झील एक हिमनद झील है, जो अपने शानदार प्राकृतिक नजारों और गहरे सांस्कृतिक महत्व के लिए जानी जाती है। इसकी सतह

का रंग मौसम के अनुसार, बदलता रहता है। जैसे ही हम इसके करीब पहुंचे, वहां का नजारा कल्पना से भी परे था। चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां और हरे-भरे घास के मैदान। यह किसी परी कथा से सीधे निकला हुआ दृश्य लग रहा था। हमने यहां न सिर्फ बर्फ में मस्ती, याक की सवारी की, बल्कि दुनिया के सबसे ऊंचे रोप-वे की रोमांचक यात्रा भी की।

लाचुंग की यादगार यात्रा

हमारा अगला पड़ाव अब सिक्किम का उत्तरी भाग था, जो क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा और अधिक रिमोट क्षेत्र है। गंगटोक से लाचुंग की दूरी करीब 102 किमी. है। सबसे पहले हमें मिला, सेवन सिस्टर्स वॉटरफॉल्स। इस झरने में सात सीढ़ियां या चरण हैं, इसलिए इसका यह नाम पड़ा। यहां कुछ देर ठहरने के पश्चात हम आगे बढ़े, तो अगला पड़ाव लाचुंग में प्रवेश का चेक प्वाइंट था। लाचुंग में हमने रात में होटल में विश्राम किया और अगले दिन सुबह-सुबह युमथांग घाटी और जीरो प्वाइंट के लिए निकले।

परीलोक जैसा युमथांग घाटी

11,800 फीट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा युमथांग घाटी किसी परीलोक जैसा लगा। अल्पाइन घास के सुंदर मैदान, चारों ओर बर्फ से ढंकी चोटियां, गर्म पानी के झरने और साथ में बहती लाचुंग नदी। इसे फूलों की घाटी भी कहते हैं। यहां खासकर रोडोडेंड्रोन के फूल खिलते हैं, जो वैली को गुलाबी, लाल और बैंगनी रंगों से रंग देते हैं।

धरती का वंडरलैंड जीरो प्वाइंट

युमथांग घाटी के सर्पीले रास्तों से गुजरते हुए हमारा साक्षात्कार धरती पर एक अलग ही दुनिया से होता है, जिसे 'जीरो प्वाइंट' (या युमेसमडोंग) कहते हैं। उत्तरी सिक्किम में 15,300 फीट की ऊंचाई पर भारत-चीन सीमा के पास स्थित यह एक सफेद वंडरलैंड है। यहां ऑक्सीजन की मात्रा कम होती है, तो आपको नीचे से ही पोर्टेबल ऑक्सीजन कैन लेकर आना होता है। जीरो प्वाइंट पर सिर्फ भारतीय सैलानी ही आ सकते हैं। उन्हें सिक्किम टूरिज्म डिपार्टमेंट से प्रोटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत पड़ती है, जो रजिस्टर्ड टूर ऑपरेटर के जरिए एडवांस में लेना होता है। *

कब जाएं : सिक्किम जाने का बेस्ट टाइम है मार्च से मई का महीना। इसके अलावा अक्टूबर से दिसंबर के मध्य तक यहां जा सकते हैं। यूं कहें कि मानसून से पहले यहां कभी भी जा सकते हैं।

कैसे जाएं : आमतौर पर सैलानी पश्चिम बंगाल के बागडोगरा तक हवाई यात्रा करते हैं और वहां से कैब के जरिए गंगटोक जाते हैं। आगे की यात्रा भी सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त टूर ऑपरेटर के कैब या टैक्सी से करते हैं। बागडोगरा के अलावा, गंगटोक से 35 किमी दूर स्पेशल पाकयोंग एयरपोर्ट भी है। ट्रेन से आप सिलिगुड़ी या न्यू जलपाईगुड़ी तक पहुंच सकते हैं और वहां से कैब से गंगटोक जा सकते हैं।

परफ्यूम-डिओड्रेंट से मिले फ्रेश फील

सीजनल ट्रेंड / विवेक कुमार

गर्मी के मौसम में युवाओं की लाइफस्टाइल में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। उनके ड्रेस कलर हल्के हो जाते हैं। फुटवियर कंफर्टेबल और पसीना सोखने वाले पहनने लगते हैं। स्किन केयर प्रोडक्ट्स की संख्या बढ़ जाती है और इन सब चीजों के साथ ही शामिल हो जाता है डिओड्रेंट और परफ्यूम।

बढ़ा है ट्रेंडः एक जमाना था, जब केवल खास मौकों पर ही परफ्यूम, डिओड्रेंट आदि का इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन आज के युवाओं की डेली लाइफस्टाइल के लिए ये जरूरी चीजें बन गई हैं, क्योंकि अब खुशबू केवल सौंदर्य का विषय नहीं बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का भी हिस्सा है। इसलिए कॉलेज से लेकर सोशल गेदरिंग और दफ्तर तक में परफ्यूम, डिओड्रेंट का चलन बहुत बढ़ गया है।

गर्मियों में इसलिए भी है जरूरीः गर्मियों में शरीर से पसीना बहुत निकलता है। इस कारण शरीर में बैक्टीरिया तेजी से सक्रिय होते हैं और शरीर से दुर्गंध आने लगती है। यंगस्टर्स सबसे ज्यादा भागदौड़ करते हैं और बहुत सारे लोगों से मिलते-जुलते हैं। ऐसे में शरीर से अच्छी खुशबू आना और फ्रेश फील करना, जरूरी हो जाता है। यही वजह है कि गर्मी के मौसम में डिओड्रेंट और परफ्यूम युवाओं के लिए सबसे जरूरी एसेसरीज बन जाती हैं।

बदल रही है च्वॉइसः फ्रेगरेंस की बात करें तो पहले के जमाने में लोग सिट्रस, एक्वा, मिंट, फ्लोरल नोट्स वाले परफ्यूम इस्तेमाल किया करते थे। जबकि लड़कियां बॉडी मिस्ट और हल्के फ्रूटी परफ्यूम पसंद करती थीं। लेकिन आजकल

स्पोर्टी और मस्क फ्रेगरेंस का चलन बढ़ा है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाईः कुछ दशक पहले के युवाओं के मुकाबले आज के युवाओं की अर्निंग और परचेजिंग पावर बढ़ी है। जो टीनएजर अपने मम्मी-पापा पर पॉकेटमनी के लिए डिपेंड हैं, उनकी पॉकेटमनी भी पहले से काफी ज्यादा बढ़ गई है। इस कारण भी बाजार में परफ्यूम और डिओड्रेंट जैसी एसेसरीज की भरमार हो गई है। अब केवल बड़े ब्रांड ही नहीं बल्कि कई भारतीय स्टार्टअप भी युवाओं को ध्यान में रखकर नए-नए प्रोडक्ट्स लांच कर रहे हैं। मसलन, पॉकेट परफ्यूम, मिनी रोल-ऑन, एल्कोहल फ्री डिओड्रेंट आदि तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। *

रोचक
शिखर चंद जैन

इन दिनों फ्रूट मार्केट में तरह-तरह के आम खूब मिल रहे हैं। इनका स्वाद तो लाजवाब होता ही है, इनसे जुड़े अतीत के कुछ किस्से भी बड़े दिलचस्प हैं।

आम से जुड़े ये किस्से हैं बेहद खास

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि संस्कृति, साहित्य इतिहास और राजनीति का एक अहम हिस्सा रहा है। सम्राटों से लेकर राजनेताओं और साहित्यकारों तक, आम की मिठास ने कई किस्सों को जन्म दिया है। हिंदी साहित्य में 'आम' न केवल फलों का राजा होने के कारण प्रसिद्ध है, बल्कि यह वसंत ऋतु, प्रेम, मादकता और कामदेव के प्रतीकों के रूप में भी बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्राचीन संस्कृत साहित्य से लेकर आधुनिक हिंदी कविता और निबंधों तक, आम का बौर, उसकी खुशबू और मिठास कवियों और लेखकों की कल्पना का अभिन्न हिस्सा रही है। आम से जुड़े कुछ रोचक किस्से हैं, जो आज भी रस ले-लेकर सुने-सुनाए जाते हैं।

आम्रपाली और आम्रपाली आम का रिश्ताः बिहार की प्रसिद्ध नृत्यांगना और वैशाली की गणिका आम्रपाली, आम के पेड़ के नीचे शिशु रूप में मिली थी, इसलिए उसका नाम 'आम्रपाली' (आम के पत्ते) रखा गया। आम की एक लोकप्रिय किस्म 'आम्रपाली' का नामकरण उसी के नाम पर किया गया है।

बुद्ध और आम का उपवनः कहा जाता है कि आम्रपाली ने भगवान बुद्ध को अपने आम के बाग (आम्रवन) में आमंत्रित किया था और उन्हें वह बाग दान कर दिया था। आम्रपाली बाद में महात्मा बुद्ध की शिष्या बन गईं।

अमीर खुसरो का आम पर शेरः 13वीं सदी के महान कवि अमीर खुसरो ने फारसी में आम की प्रशंसा में कविताएं लिखी थीं। खुसरो ने आम को 'नगजा तरीन मेवाह हिंद' (भारत का सबसे खूबसूरत फल) कहा था।

अलाउद्दीन खिलजी की शाही दावत में आमः दिल्ली के सुल्तान रहे अलाउद्दीन खिलजी आम के दीवाने थे। कहा जाता है कि उन्होंने दिल्ली के 'कुश-ए-फिरोजी' में आम की कई किस्मों की एक शानदार दावत दी थी, जिसमें उन्होंने आम के साथ संगीत का शानदार कार्यक्रम आयोजित करवाया था।

आम का दीवाना बाबरः मुगल वंश के संस्थापक बाबर को आम इतना पसंद था कि उसने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-बाबरी' में आम का जिक्र किया है। कहा जाता है कि वह भारत में आम का स्वाद चखकर चकित रह गया था, क्योंकि यह फल मध्य एशिया के देशों में नहीं मिलता था।

अकबर का आम प्रेम और लाख बागः मुगल बादशाह अकबर आम का इतना शौकीन था कि उसने बिहार के दरभंगा में 1 लाख से अधिक आम के पेड़ों का बाग लगवाया था, जिसे 'लाखी बाग' कहा जाता था। उसने आम की कई उन्नत किस्मों को भी विकसित करने में सहायता दी थी।

मिर्जा गालिब की आम-दीवानगीः मशहूर शायर मिर्जा गालिब आम के बड़े दीवाने थे। वे कहते थे कि 'आम में बस दो ही खूबियां होनी चाहिए-वे मीठे हों और बहुत सारे हों।' एक किस्से के अनुसार, जब उनके दोस्त ने आम को नापसंद किया, तो गालिब ने नाराज होकर कहा था, 'गधे भी आम नहीं खाते।' *

भारत में हुई आम की उत्पत्तिः माना जाता है कि आम की उत्पत्ति दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत में हुई, जहां 4000 वर्ष ईसा पूर्व हिंदू ग्रंथों में इस फल का उल्लेख मिलता है। बौद्ध भिक्षु भी इस फल की खेती करते थे। प्राचीन काल में बौद्ध भिक्षुओं और बाद में व्यापारियों तथा विदेशी यात्रियों के माध्यम से आम दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य पूर्व, अफ्रीका और अंततः दक्षिण अमेरिका तक पहुंचा।

सिने ट्रेंड
डी. जे. नंदन

फिल्मों में कितना इफेक्टिव है स्पीड-एडवेंचर का जादू

आज की दौड़ती-भागती जिंदगी जी रहे लोग, खासकर यंगस्टर्स, मनोरंजन के लिए देखी जाने वाली फिल्मों में भी 'स्पीड' यानी तेजी से भागती कहानी पसंद करते हैं। हालांकि कई फिल्में इसकी अपवाद भी रही हैं। फिल्मों में स्पीड और एडवेंचर के सक्सेस से रिलेशन पर एक नजर।

'आज का दर्शक ठहराव नहीं, स्पीड चाहता है।' यह धारणा इन दिनों फिल्म जगत में किसी सूत्रवाक्य की तरह हर तरफ गूंज रही है। कहा जा रहा है कि मोबाइल स्क्रीन, रील कल्चर और लगातार बदलती डिजिटल दुनिया ने युवाओं को इतना धैर्यहीन बना दिया है कि अब वह उन्हीं फिल्मों को देख सकते हैं या देखते हैं, जो शुरुआती 10 मिनटों में ही दर्शकों को खुद से जोड़ ले। हर कुछ देर में चौकाएं और कहानी में बिना कोई ठहराव आए, वह लगातार आगे बढ़ती रहे। इसके लिए फिल्मों में तेज एडिटिंग, छोटे दृश्य, लगातार ट्विस्ट और ऊंची भावनात्मक उत्तेजना का चलन बढ़ा है। कुल मिलाकर यह 'हाई इंगेजिंग' ड्रामा का दौर है।

दर्शकों को चाहिए अटैचमेंट हुकः इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज का युवा दर्शक शुरू से ही फिल्मों में 'अटैचमेंट हुक' चाहता है। उसमें यह आदत हाल के सालों में विकसित हुई रील कल्चर और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ही लगाई है, क्योंकि आज के युवा आमतौर पर दिन के तीन से चार घंटे, छोटे वीडियो और तेज रफ्तार सूचनाओं के घेरे में रहते हैं। लगातार बदलती विजुअल एक्साइटमेंट के बीच रहने के कारण उनके स्वभाव में तेजी को लेकर पसंदगी बढ़ी है। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ इस तरह से हाइप बन गई है कि अगर कहानी देर तक एक ही वातावरण में टिकी रही तो दर्शकों, विशेषकर युवाओं का ध्यान उचट जाएगा और वो फिल्म को नकारा देंगे।

इन फिल्मों ने सेट किया नया ट्रेंडः अब बॉलीवुड ट्रेंड के जानकारों और फिल्म मेकर्स के लिए सफलता का अलिखित सिद्धांत बन चुका है कि युवा दर्शकों को फिल्मों में शुरू से ही बांधकर रखो। किसी बड़े हादसे के जरिए, किसी उलझाऊ रहस्य के जरिए या अंधाधुंध हिंसा अथवा विस्फोट के जरिए। बहरहाल, यह राय बनाने या यूं कहें कि यह ट्रेंड सेट करने में हाल के वर्षों में आई 'जवान' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की बड़ी भूमिका है। क्योंकि इन फिल्मों में तेज रफ्तारी का सिद्धांत ही सबसे ज्यादा मजबूती से खड़ा दिखाई देता है। इन फिल्मों की सफलता और फिर हाल में आई 'धुरंधर-1', 'धुरंधर-2', की सफलता ने ही तेज रफ्तार वाली फिल्मों के लिए माहौल बनाया है। ट्विस्ट और टर्न्स से भरी इन इन सभी फिल्मों में बड़ी तेजी से थोड़ी-थोड़ी देर में दृश्य बदलते हैं।

इमोशनल इंगेजिंग फिल्में भी हुईं सफलः फिल्मों की स्पीड को लेकर सवाल यह भी उठता है कि क्या सचमुच आज का युवा दर्शक सिर्फ तेज रफ्तार फिल्मों का दीवाना है? अगर ऐसा ही होता तो भला '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी धीमी रफ्तार वाली फिल्मों को युवाओं ने इतना क्यों पसंद किया? दरअसल, बहस सिर्फ स्पीड की नहीं इंगेजमेंट की है। आज का युवा दर्शक वाकई कहानी में अनावश्यक खिंचाव नहीं चाहता, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं है कि वह भावनात्मक गहराई को समझता नहीं या उसे पसंद नहीं करता। जब भी ऐसी फिल्में आती हैं, जिनमें भावनात्मक गहराई मौजूद होती है, तो फिर वह उन्हें निश्चित रूप से पसंद करता है। '12वीं फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों का कथानक भी महानगरों से दूर ग्रामीण परिवेश का था, फिर भी ये दोनों फिल्में खासकर युवा दर्शकों द्वारा खूब पसंद की गईं, तो इसका मतलब यह है कि युवा दर्शक सिर्फ तेज स्पीड और हाई इंगेजिंग फिल्मों को ही पसंद नहीं करते बल्कि उन सभी फिल्मों को पसंद करता है, जो उनकी भावनाओं को स्पर्श करती हैं। आज के युवा दर्शक अच्छी कहानी पसंद करते हैं, चाहे वह तेज हो या फिर चाहे धीमी ही क्यों न हो।

पुरानी फिल्मों में नहीं था स्पीड का प्रेशरः पुराने जमाने की फिल्मों के पात्र आपस में देर तक बातचीत करते थे। खामोशी होती थी, तो वह भी कई बार इतनी लंबी होती थी कि दर्शक खुद खामोशी महसूस करने लगता था। इस तरह अगर इस स्पीड के पैमाने पर पुरानी फिल्मों को कसें तो कोई फिल्म ही नहीं हिट होनी चाहिए थी। लेकिन हम जानते हैं कि फिल्मों की सफलता की दर आज के मुकाबले पहले कहीं ज्यादा थी। यह अलग बात है कि आज के मुकाबले फिल्मों की कमाई बहुत कम थी। वास्तव में पेस (स्पीड) इन दिनों सच्चाई से कहीं ज्यादा एक फैशन की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सच यह है कि आज के दर्शक भी गहरे और इंटेंस कम रफ्तार के दृश्य भी खूब पसंद करते हैं।

स्पीड के अलावा भी हैं कई फैक्टर्सः आज का युवा दर्शक सिर्फ धीमेपन से बोर नहीं होता बल्कि बेसिर पैर के फिल्म के खिंचाव, बिना किसी वजह फिल्म को वल्गर बनाने की कोशिश और जबर्दस्ती फिल्मों में ठूंस दिए गए आइटम सॉन्ग जैसे एक्सपेरिमेंट्स से चिढ़ता है। उसे ऐसी फिल्में वाकई ज्यादा पसंद नहीं आतीं, जिनमें जानबूझकर लॉजिक की ऐसी-तैसी की गई हो। आज का दर्शक फिल्म के हर फ्रेम में चाहे वह जिस तरह की भावना का हो, इसमें हाई इंटेंसिटी की तलाश करता है। कुल मिलाकर कहने का मतलब यह है कि सवाल रफ्तार का नहीं, निरंतरता का है। अगर फिल्में दर्शक को लगातार मानसिक और भावनात्मक तरीके से जोड़े रखती हैं, तो वह धीमी होकर भी प्रभावशाली हो सकती हैं, यह कोई ब्रह्म वाक्य नहीं है कि आज का दर्शक स्पीड और हाई इंगेजिंग ट्विस्ट वाली फिल्में ही देखना चाहते हैं। वे केवल एंटरटेनमेंट चाहते हैं। *